राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 21 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–54 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कौन बनेगा गोवा का अगला मुख्यमंत्री? प्रमोद सावंत और विश्वजीत राणे ने अमित शाह के साथ की संयुक्त बैठक

भाजपा सरकार

एजेंसी ।

गोवा में नयी सरकार के गठन को लेकर भाजपा विधायक दल की बैठक अभी हुई नहीं है। इस बीच, तटीय राज्य के कार्यवाहक मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पार्टी के उनके सहयोगी नेता विश्वजीत राणे ने शनिवार शाम नयी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। भाजपा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सावंत और राणे को गोवा के मुख्यमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। भाजपा सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि राणे हाल-फिलहाल में मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक शाह ने सावंत और राणे से उनसे एक साथ नयी दिल्ली में मिलने को कहा था। गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए हाल ही में संपन्न चुनाव में भाजपा ने सर्वाधिक 20 सीटों पर जीत दर्ज की है। महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) के दो विधायकों और तीन निर्दलियों के समर्थन जताने से भाजपा के लिए गोवा में सरकार बनाने का रास्ता आसान हो गया है। हालांकि, पार्टी ने राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दावा फिलहाल पेश नहीं किया है। भाजपा की गोवा इकाई के प्रमुख सदानंद शेत तनवडे ने पहले संवाददाताओं से कहा था कि पार्टी होली के समारोहों के बाद सरकार बनाएगी।

राणे ने सावंत के साथ शाह से मुलाकात करने की पुष्टि की

पार्टी सूत्रों ने कहा, सावंत और राणे ने शाह से एक साथ मुलाकात की। इस दौरन उन्होंने गोवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। संपर्क करने पर राणे ने सावंत के साथ शाह से मुलाकात करने की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, यह बैठक गोवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर हुई थी। वहीं, सावंत से बात नहीं हो सकी। भाजपा संसदीय बोर्ड ने अभी औपचारिक रूप से गोवा के अगले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की है। पार्टी ने मुख्यमंत्री के चयन की प्रक्रिया के पर्यवेक्षण और अगली सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों नरेंद्र सिंह तोमर और एल मुरुगन को क्रमशः पर्यवेक्षक और सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। सावंत ने बुधवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर अगली सरकार के गठन पर चर्चा की थी। उनके साथ भाजपा के गोवा चुनाव प्रभारी देवेंद्र फडणवीस, गोवा डेस्क प्रभारी सीटी रवि, तनवडे और पार्टी के राज्य महासचिव (संगठन) सतीश धोणे भी प्रधानमंत्री से मिले थे।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने भारत आए जापानी पीएम को गिफ्ट की कृष्ण पंखी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को कृष्ण पंखी उपहार में दिया। ये चंदन की लकड़ी से बना है और इसके किनारों पर कलात्मक आकृतियों के माध्यम से भगवान कृष्ण की विभिन्न मुद्राओं को दर्शाया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पंखी को पारंपरिक उपकरणों के जरिए उकेरा गया है और इसके शीर्ष पर हाथ से नक्काशी कर तैयार की गई मोर की आकृति है जोकि भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को कृष्ण पंखी उपहार में दिया। ये चंदन की लकड़ी से बना है और इसके किनारों पर कलात्मक आकृतियों के माध्यम से भगवान कृष्ण की विभिन्न मुद्राओं को दर्शाया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पंखी को पारंपरिक उपकरणों के जरिए उकेरा गया है और इसके शीर्ष पर हाथ से नक्काशी कर तैयार की गई मोर की आकृति है जोकि भारत का राष्ट्रीय पक्षी है।

नैतिक मूल्य प्रदान करती है 'भगवद्गीता'- बसवराज बोम्मई

कर्नाटक । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य गुजरात के 'भगवद्गीता' को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि 'भगवद्गीता' नैतिक मूल्य प्रदान करती है और इसे स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने का फैसला चर्चा के बाद किया जाएगा। गुजरात में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से राज्य में कक्षा छठी से 12वीं के लिए भगवद् गीता स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होगी। सरकार द्वारा स्कूली पाठ्यक्रम में भगवद गीता को शामिल करने से जुड़े सवाल पर बोम्मई ने कहा, यह गुजरात में किया गया है और हमारे मंत्री का कहना है कि वह इस पर चर्चा करेंगे। देखते हैं कि शिक्षा विभाग क्या विवरण लेकर सामने आता है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उनका इरादा बच्चों को शिक्षा और नैतिक मूल्य प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अधिक विवरण का खुलासा चर्चा के बाद ही किया जा सकता है। इस बीच, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सिद्धारमैया ने मंगलुरु में कहा कि कांग्रेस भगवद् गीता या किसी अन्य धार्मिक ग्रंथ के जरिए बच्चों को नैतिक शिक्षा देने के विरोध में नहीं है। उन्होंने कहा, हम संविधान और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते हैं। आप उन्हें (भाजपा) भगवद् गीता या कुरान या बाइबिल पढ़ाने दें, हमे कोई आपत्ति नहीं है। वे आज की जरूरत के हिसाब से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इस मामले में सरकार द्वारा अब तक कोई निर्णय नहीं लिए जाने का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि हर हिंदू परिवार में भगवद् गीता, रामायण और महाभारत से जुड़ी जानकारी दी जाती है और इन ग्रंथों पर आधारित नाटक भी आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा आवश्यक है ।

केरल में मैथर को कांग्रेस का राज्यसभा प्रत्याशी बनाने पर बीजू थामस ने किया विरोध

एर्नाकुलम । हाल ही में देश के पांच राज्यों में संपन्न विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस में पैदा असंतोष का क्रम खत्म होता नहीं दिखाई देता। दक्षिण भारत में भी कांग्रेस खेमे में गुटबाजी शुरू हो गई है। केरल में राज्यसभा के उम्मीदवार के चयन के बाद दो कांग्रेस नेताओं के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। केरल कांग्रेस की महिला विंग की प्रमुख जेबी मैथर के राज्यसभा के उम्मीदवार के रूप में चुने जाने के बाद केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केवी थॉमस के बेटे बीजू थॉमस ने तीखी प्रतिक्रिया की है। राज्यसभा सीट से जेबी मैथर का नाम जुड़ते ही पार्टी का वर्ग केवी थॉमस के खिलाफ हो गया। इसके बाद बीजू थॉमस ने कहा कि पार्टी नेतृत्व संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि जेबी मैथर को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद पार्टी के विभिन्न वर्गों में नाराजगी है। बीजू थॉमस ने तंज कसते हुए कहा कि जेबी मैथर जैसे लोग पार्टी के अंदर विभिन्न पदों पर हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि पार्टी में पर्याप्त नेताओं की कमी है। बीजू थॉमस ने कहा कि महिला कांग्रेस सदस्य मैथर ने लिखा था कि पार्टी को बचाने के लिए मेरे पिता को मार दिया जाना चाहिए। इस बयान से हम सभी को दुख हुआ है। बीजू थॉमस ने यह भी पूछा कि क्या पार्टी की संस्कृति एक निश्चित उम्र पार करने के बाद वरिष्ठ नेताओं को मार देने की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर उनके पिता की उम्र या उससे अधिक उम्र के कई लोग हैं। इस बीच केवी थॉमस ने भी अपने बेटे के बयान पर प्रतिक्रिया की है। उन्होंने कहा कि ये उनके बेटे की अपनी निजी राय है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर उनके पिता की उम्र या उससे अधिक उम्र के कई लोग हैं। इस बीच केवी थॉमस ने भी अपने बेटे के बयान पर प्रतिक्रिया की है। उन्होंने कहा कि ये उनके बेटे की अपनी निजी राय है। बीजू थॉमस ने अपनी राय व्यक्त की। मैं हमेशा एक कांग्रेस कार्यकर्ता रहूंगा जो पार्टी के फैसलों का पालन करेगा।

उत्तराखंड में सरकार गठन को लेकर अमित शाह के घर भाजपा नेताओं की कवायद

नई दिल्ली ।

उत्तराखंड विस चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल कर ली और अब सरकार गठन को लेकर यहां कवायद के बीच रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बी एल संतोष और राज्य के केंद्रीय चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी के अलावा उत्तराखंड के कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी मौजूद हैं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा विधायक दल की बैठक से पहले हो रही इस बैठक में विधायक दल के नेता के नाम पर चर्चा की जा रही है। ज्ञात हो कि उत्तराखंड में भाजपा ने शानदार बहुमत तो हासिल कर लिया लेकिन मुख्यमंत्री धामी को खटीमा से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में सरकार का नेतृत्व कौन करेगा, इसे लेकर भाजपा में मंथन का दौर लगातार जारी है। हार के बावजूद धामी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। शाह के आवास पर जारी बैठक में धामी की मौजूदगी भी इसका संकेत करती है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि चौबट्टाखाल के विधायक सतपाल महाराज, श्रीनगर के विधायक धन सिंह रावत और राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी भी मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शामिल हैं। भाजपा विधायक दल की प्रस्तावित बैठक के लिए भाजपा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को केंद्रीय पर्यवेक्षक और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी को सह पर्यवेक्षक बनाया है। भाजपा की उत्तराखंड इकाई के सूत्रों ने कहा कि धामी के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि वह न केवल युवा और ऊर्जावान हैं, बल्कि भाजपा ने पहाड़ी राज्य में उनके नाम पर चुनाव लड़ा था और शानदार जीत दर्ज की। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के धामी के नाम पर मुहर लगाने का फैसला करने की एक और बड़ी वजह यह हो सकती है कि उसे पिछले कार्यकाल में बेहद कम समय में दो मुख्यमंत्रियों को बदलने के लिए काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। एक भाजपा नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, अगर उत्तर प्रदेश चुनाव में अपनी सीट गंवाने वाले केशव प्रसाद मौर्य को दोबारा उप-मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है ।

तो धामी को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया जा सकता है? हालांकि, सूत्रों ने कहा कि अगर पार्टी किसी नए चेहरे का चयन करने का फैसला लेती है तो क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बैठाना काफी अहम होगा। चूंकि, कुमाऊं के एक ब्राह्मण नेता अजय भट्ट को पहले ही केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया जा चुका है, ऐसे में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बैठाने के लिए ।

पंजाब में आप ने काम भी शुरू कर दिया लेकिन 4 राज्यों में सरकार बनाने के लिए बीजेपी कर रही लड़ाई झगड़ा

नई दिल्ली । पंजाब में अपनी शानदार जीत के बाद, आम आदमी पार्टी (आप) की नजर गुजरात चुनाव पर टिकी हुई है। इसके अलावा अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी ने अगले साल आदिवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ में भी विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। वहीं दूसरी तरफ पंजाब में मान सरकार मंत्रिमंडल के गठन के साथ ही एक्शन में आ गई है। उन्होंने 25 हजार नौकरियों का रास्ता साफ करते हुए कई फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। इस बीच आज दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब के विधायकों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप नेता राघव चड्ढा भी उपस्थित रहें। बैठक के दौरान केजरीवाल ने मान के काम की सराहना करते हुए कहा, भगवंत मान ने 16 तारीख़ को शपथ ली, 3 दिनों में ही लोगों को काम करके दिखाया। पुराने मंत्रियों की सुरक्षा हटाकर उसे जनता के लिए लगाया गया। अक्टूबर में फसलें बर्बाद हुई थी, उसका मुआवज़ा किसानों के ज़लिों में पहुंच गया, 3-4 दिनों में किसानों को उसका चेक मिलेगा। आप विधायकों से वर्चुअल मीटिंग में बात करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में एंटी करप्शन हेल्पलाइन शुरू की गई। 25,000 नौकरियों का ऐलान किया गया, इससे लोगों की हमसे उम्मीद अब विश्वास में बदलती जा रही है। बैठक के दौरान उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, एक तरफ भगवंत मान ने शपथ भी ले ली उनके द्वारा काम भी शुरू हो गए वहीं दूसरी तरफ भाजपा जो 4 राज्यों में जीती थी ।

मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों की बढ़ाने जा रही बेसिक सैलरी

नई दिल्ली । केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है, लंबे वक्त से फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की मांग कर रहे केंद्रीय कर्मचारियों का वेतन केंद्र सरकार बढ़ाने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार जल्द ही फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने पर अपनी मंजूरी दे सकती है। बता दें कि केंद्र सरकार के कर्मचारी संघ लंबे समय से न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये से बढ़ाकर 26,000 रुपये करने और फिटमेंट फैक्टर को 2.57 गुना से बढ़ाकर 3.68 गुना करने की मांग कर रहे हैं। यदि सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के फिटमेंट फैक्टर में इजाफे की घोषणा करती है, तो उनके वेतन में बढ़ोतरी होगी। दरअसल, फिटमेंट फैक्टर बढ़ने से न्यूनतम वेतन भी बढ़ेगा। वर्तमान में कर्मचारियों को 2.57 प्रतिशत के आधार पर फिटमेंट फैक्टर के तहत वेतन मिल रहा है, जिसे बढ़ाकर 3.68 प्रतिशत किया जाता है, तो कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन में 8,000 रुपए बढ़ेगा। इसका मतलब है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये से बढ़ाकर 26,000 रुपये किया जाएगा। अगर फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.68 कर दिया जाता है, तो कर्मचारियों का मूल वेतन 26,000 रुपये हो जाएगा। अभी अगर आपका न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये है, तो भत्तों को छोड़कर, आपको 2.57 फिटमेंट फैक्टर के अनुसार 46,260 रुपये (18,000 गुणा 2.57 बराबर 46,260) मिलेंगे। अब अगर फिटमेंट फैक्टर 3.68 है तो आपकी सैलरी 95,680 रुपये (26000गुणा3.68 बराबर 95,680) होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जून 2017 में 34 संशोधनों के साथ सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को मंजूरी दी थी। एंट्री लेवल बेसिक पे 7,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 18,000 रुपये किया गया।

सीआरपीएफ ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंक के खिलाफ जंग में निभाई अहम भूमिका : शाह

श्रीनगर ।

गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में तेजी से सामान्य हो रही स्थिति पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि जल्दी ही वह दिन भी आएगा कि राज्य में सीआरपीएफ की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। सीआरपीएफ के 83वें स्थापना दिवस पर जम्मू में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए उन्होंने बल की भूमिका की सराहना की। गृहमंत्री शाह ने कहा सीआरपीएफ ने न सिर्फ घाटी में आतंकवाद से लड़ने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि कानून व्यवस्था को मजबूत करने का काम भी किया है। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर, उत्तर पूर्व और नक्सल प्रभावित इलाकों में बेहतरीन काम किया है। मुझे यकीन है कि आने वाले कुछ सालों में इन तीनों क्षेत्रों में सीआरपीएफ की जरूरत नहीं होगी। इसका पूरा श्रेय सीआरपीएफ को ही जाएगा। सीआरपीएफ की तारीफ करते हुए शाह ने कहा पिछले कुछ सालों में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा सुधार देखने को मिला है। सीआरपीएफ जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने आर्टिकल 370 और 35ए को हटाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा इसका फायदा जम्मू-कश्मीर के आम लोगों को हुआ है। बता दें कि यह पहली बार है, जब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बाहर जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

सीआरपीएफ जवानों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं सीआरपीएफ जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं सीआरपीएफ के शहीदों को श्रद्धांजलि देता हूं। ऐतिहासिक शहर जम्मू में सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। मैं सबसे पहले माता वैष्णो देवी को प्रणाम करना चाहता हूं। अमित शाह ने कहा कि जम्मू वह जगह है, जहां प्रेमनाथ डोगरा और श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक के लिए आंदोलन शुरू किया।

विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स ने की 140.95 करोड़ की कमाई

मुंबई ।

बॉक्स ऑफिस पर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स की ताबड़तोड़ कमाई जारी है। कश्मीरी पंडितों के दर्द पर बनी फिल्म ने हर किसी का सीना चीर कर रख दिया है। जो भी फिल्म देखने के लिए सिनेमा हाल के अंदर गया बाहर आंखें नम करके लौटा। कश्मीरी पंडितों के दर्द को उजागर करती द कश्मीर फाइल्स की कहानी हर किसी के दिल को छू रही है। इसलिए सिनेमाहाल में फिल्म देखने के लिये लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा है। फिल्म ने 8वें दिन आमिर खान की दंगल को पछाड़ते हुए लगभग 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया था। वहीं 9वें दिन भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 24.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को विवेक अग्निहोत्री की फिल्म ने 24.50 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली, जबकि होली पर फिल्म ने 19.15 करोड़ कमाए थे। अब तक के सारे आंकड़ों को मिलाकर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 140.95 करोड़ कमा चुकी है। फिल्म मिल रहे दर्शकों के प्यार को देखते हुए कहा जा सकता है कि कमाई का यह सिलसिला कुछ दिन और जारी रहेगा।

अखिलेश की दुविधा विधायक रहें या सांसद अब पार्टी पर छोड़ा फैसला

आजमगढ़ ।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव करहल से विधायक रहेंगे या फिर आजमगढ़ के सांसद पद से इस्तीफा देंगे इसका फैसला अगले कुछ दिनों में होगा। शनिवार को सैफई में अखिलेश यादव ने मैनपुरी के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की और एमएलसी के चुनावों को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। कार्यकर्ताओं की मांग पर अखिलेश यादव ने कहा कि वह विधायक रहेंगे या सांसद इसका फैसला अगले कुछ दिनों में करेंगे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और करहल से विधायक अखिलेश यादव ने मैनपुरी के पार्टी नेताओं को सैफई में बुलाया था। यहां उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ मैनपुरी की दो सीटों पर हार के कारणों की चर्चा की। सपा इस बार के विधानसभा चुनाव में मैनपुरी सदर और भोगांव सीट पर चुनाव हार गई है। अपने ही गढ़ में दो सीटों पर चुनाव हारने से सपा की प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हिम्मत न हारने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए फिर से मेहनत करनी है। फिलहाल पार्टी के नेता पार्टी के एमएलसी पद के दोनों प्रत्याशियों को मैनपुरी से जिताने में जुटें। मैनपुरी के नेताओं ने अखिलेश यादव से कहा कि वह करहल सीट से इस्तीफा न दें। वह करहल विधायक बने रहें। कार्यकर्ताओं और नेताओं की मांग पर अखिलेश यादव ने कहा कि वे आजमगढ़ से सांसद रहेंगे या फिर करहल से विधायक बने रहेंगे इसका फैसला पार्टी की बैठक में लिया जाएगा। आगामी 26 मार्च को सभी विधायकों की बैठक लखनऊ में बुलाई गई है। माना जा रहा है कि इस बैठक में इस बात का फैसला हो जाएगा कि अखिलेश विधायक रहेंगे या सांसद पद से इस्तीफा देंगे। हालांकि लोकसभा चुनाव के चलते संभावना इस बात की ज्यादा है कि अखिलेश करहल से इस्तीफा दे सकते हैं ।

टीआरएस कार्यकर्ता ने यूपी में चस्पा करवाए चंद्रशेखर राव और प्रशांत किशोर के पोस्टर

हैदराबाद । यूपी में कई स्थानों पर, तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव को देश का नेता बताने वाले और राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर को बधाई देने वाले पोस्टर चस्पा करवाएं हैं, जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। रास्ते पर आने-जाने वाले लोग सोच में पड़ गए हैं कि उत्तर प्रदेश में राव के पोस्टर किसलिए लगाए गए हैं। राव की पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के एक कार्यकर्ता ने हिंदी भाषी प्रदेश में अपने नेता की लोकप्रियता बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। गौरतलब है कि राव भारतीय जनता पार्टी का विरोध कर रहे हैं और उसके खिलाफ गठबंधन बनाने की जुगत में लगे हैं। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि आगामी चुनाव में टीआरएस चुनावी रणनीति के लिए प्रशांत किशोर की सेवाएं ले सकती है, लेकिन इस बारे में अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। विचित्र बात यह है कि पोस्टर में जहां एक तरफ किशोर को जन्मदिन की बधाई दी गई है, वहीं एक अन्य पोस्टर में लगभग सभी गैर-भाजपाई और गैर-कांग्रेसी नेताओं तथा मुख्यमंत्रियों के चित्र लगाए गए हैं। इनमें एम के स्टालिन, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन और भगवंत मान शामिल हैं। अन्य नेताओं में शरद पवार, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव भी हैं, जिन्हें पोस्टर में जगह दी गई है। हैदराबाद के रहने वाले टीआरएस कार्यकर्ता तेलंगाना साई ने ये पोस्टर लगवाए हैं। उन्होंने कहा कि वह उत्तर प्रदेश तथा देश के लोगों को राव के बारे में बताना चाहते थे कि वह गैर-भाजपा नेताओं के समर्थन से दिल्ली में उच्च पद तक पहुंचने में सक्षम हैं। साई ने मीडिया से कहा कि राव तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लोकप्रिय हैं लेकिन उन्हें उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और अन्य राज्यों के लोग ज्यादा नहीं जानते। पोस्टर में राव को देश का नेता के तौर पर दर्शाया गया है। राज्य के सिद्दिपेट जिले में हाल में हुई बैठक में राव ने कहा आंध्र प्रदेश में लोकप्रिय हैं लेकिन उन्हें उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और अन्य राज्यों के लोग ज्यादा नहीं जानते। पोस्टर में राव को देश का नेता के तौर पर दर्शाया गया है। राज्य के सिद्दिपेट जिले में हाल में हुई बैठक में राव ने कहा था कि वह राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं और वह अपनी पूरी क्षमता का उपयोग देश में चीजों को सही करने में करेंगे। किशोर ने हाल में राव से मुलाकात की थी लेकिन अभी तक उनके और टीआरएस के बीच कोई समझौता मूर्तरूप नहीं ले पाया है।

सुविचार

तीन चीजों को लम्बी अवधि तक छुपाया नहीं जा सकता, सूर्य, चन्द्रमा और सत्य। - गौतम बुद्ध

संपादकीय

वक्त का फैसला

कर्नाटक की शैक्षणिक संस्थाओं में मध्य सत्र में अचानक पैदा हुए हिजाब विवाद का पटाक्षेप कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद हो जाना चाहिए। मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने को लेकर फैसला सुनाया कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म की अनिवार्य प्रथा नहीं है। साथ ही इसे संवैधानिक अधिकार बताने वाली छात्राओं की याचिका भी खारिज कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि शिक्षण संस्थाओं में यूनिफॉर्म लागू करना कानूनी दृष्टि से उचित है। इससे संविधान में दी गई निजता व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का अतिक्रमण नहीं होता। दरअसल, कर्नाटक स्थित उडुपी के दो सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों की कुछ छात्राओं ने कालेज प्रबंधन द्वारा कक्षाओं में हिजाब पहनने पर रोक लगाने के खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। साथ ही इसे पहनना संवैधानिक अधिकार बताया था। कालांतर इस मामले को तीन जजों की पीठ को सौंपा गया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल जजों न्यायमूर्ति कृष्णा एस. दीक्षित व न्यायमूर्ति जे.एम. काजी ने 25 फरवरी तक सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा था। पीठ ने निष्कर्ष दिया कि व्यक्तिगत अभिरुचि शैक्षणिक अनुशासन का अतिक्रमण नहीं कर सकती। इस फैसले का केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने स्वागत किया। कहा गया कि देश-राज्य की प्रगति के लिये प्रतीकात्मक विवादों से परे छात्रों को अपने मुख्य कार्य पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। वहीं छात्राओं के वकील का कहना है कि मामला सुप्रीम कोर्ट ले जायेंगे। वहीं दूसरी ओर कहा जा रहा है कि धर्म व उसकी मान्यताओं से इतर संविधान सर्वोच्च है। दरअसल, फरवरी के मध्य में जब उडुपी के गवर्नमेंट पीयू कॉलेज फॉर वीमेन की छात्राओं को हिजाब पहनने से रोका गया तो उन्होंने कॉलेज प्रशासन के फैसले को नहीं माना और अदालत की शरण ली थी। जब इस मामले का विरोध हुआ तो कुछ छात्र भगवा शॉल डालकर प्रदर्शन करने लगे। दरअसल, अचानक उठे इस विवाद को लेकर तमाम सवाल खड़े हुए। कालांतर यह प्रकरण उडुपी से निकलकर पूरे कर्नाटक और फिर पूरे देश में विवाद का केंद्र बन गया। इस दौरान कई राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में भी मुद्दे की तपिश महसूस की गई। तब इस विवाद के मूल में राजनीतिक निहितार्थों की बात कही गई। मामले ने तूल पकड़ा तो कई राजनीतिक दल भी इसमें नफा तलाशने लगे। तभी मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने भी कहा कि अकादमिक सत्र के बीच में अचानक यह मुद्दा क्यों उठा? लगता है कि इसके पीछे किसी का हाथ है। निस्संदेह, अशांति पैदा करने व सद्भाव को प्रभावित करने के लिये ऐसा किया गया। वहीं राज्य सरकार कहती रही है कि पहले से तय यूनिफॉर्म ही कालेज में पहनी जा सकती है। साथ ही लड़कियों को छूट दी गई कि वे स्कूल आते-जाते वक्त हिजाब पहन सकती हैं मगर कक्षा में इसे उतारना होगा जिसे छात्राओं ने स्वीकार नहीं किया। कालांतर कर्नाटक के कई स्कूल-कॉलेजों में हिजाब के समर्थन व विरोध में प्रदर्शन हुए। कुछ जगह तोड़फोड़ व पथराव की घटनाएं भी हुईं। स्कूल, कॉलेज बंद किये गये और राज्य में निषेधाज्ञा लागू की गई। वहीं इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद कुछ कानून के जानकारों ने इसे धर्म से इतर व्यक्तिगत अधिकार का मुद्दा बताया। साथ ही कहा गया कि ड्रेस कोड निर्धारित करना स्कूल का अधिकार तो है लेकिन इसके क्रियान्वयन से मौलिक अधिकार का हनन नहीं होना चाहिए। कुछ लोग इसे संस्थान की स्वतंत्रता व निजी स्वतंत्रता का द्वंद्व बताने लगे। वहीं बुद्धिजीवी कहने लगे कि हिजाब के पक्ष व विरोध में खड़े छात्रों का पहला काम पढ़ाई करना है।

शीघ्र-सहज न्याय का मंदिर है उपभोक्ता आयोग!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

प्राय: न्यायालयो में तारीख पर तारीख दी जाती है,जिसकारण वादकारियों की चप्पलें तक घिस जाती है।दीवानी न्यायालय के बारे में तो कहावत है कि दावा दादा करता है तो न्याय पोते को मिलता है।इस मिथक को तोड़ने की आज सबसे बड़ी आवश्यकता है।हालांकि यह काम यानि तारीख पर तारीख न देकर शीघ्र सहज न्याय देने का काम देश की उपभोक्ता अदालते,जो अब आयोग के रूप में परिवर्तित होकर उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करा रही है।हम कह सकते है, समय के साथ उपभोक्ताओ की सोच में भी अब बदलाव आया है।अब खरीदी गई वस्तु के खराब निकलने पर सिर्फ अफसोस व्यक्त करके उपभोक्ता घर नही बैठता, बल्कि दुकानदार से शिकायत करने के साथ ही खराब वस्तु को बदलवाने के लिए उपभोक्ता आयोग तक का दरवाजा खटखटाता है।इसी प्रकार खरीदी गई किसी सेवा में कमी मिलने पर उपभोक्ता अपने साथ हुए अन्याय के लिए प्रतिवाद करने लगा है और विभिन्न मंचो पर न्याय के लिए जाने लगा है। उपभोक्ता के साथ कोई भी ठगी या सेवा में कमी न कर पाए,उपभोक्ता को कोई धोखा न दे सके ,कोई दुकानदार या सेवा प्रदाता झूठी सच्ची बाते करके किसी को खराब गुणवत्ता का सामान न बेच सके और किसी को खराब सेवा न दे सके । इसके लिए सभी को जागरूक रहना आवश्यक है। उपभोक्ता आयोग एक ऐसा न्याय का मंदिर है जहां आप सुगमता से न्याय मांग सकते है।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 यथा संशोधित 2019 की अधिसूचना भारत सरकार ने 15 जुलाई 2020 को जारी कर दी थी।जिसके तहत 20 जुलाई सन 2020 से उक्त संशोधित कानून प्रभावी हो गया था। इस बदले कानून से उपभोक्ताओं को शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल रही है। इस कानून में किये गए बदलाव से उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के क्षेत्र में नई पहल का सूत्रपात हुआ है। उपभोक्ता संरक्षण संशोधित कानून, 2019 के तहत उपभोक्ता कही से भी उपभोक्ता अदालत में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इस कानून में उपभोक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए साथ ही पुराने नियमों में सुधार की कोशिश भी की गई है। जैसे सेंट्रल रेगुलेटर का गठन, भ्रामक विज्ञापनों पर भारी दंड और ई-कॉमर्स फर्मों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बेचने वाली कंपनियों के लिए सख्तक दिशानिर्देश इस नये कानून में शामिल किये गए हैं।उपभोक्ता अब कहीं से भी यानि जहां वह निवास करता है या जहां से उसने सामान या सेवा खरीदी है ,में से कही से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता अदालतें गठित हैं जिन्हें आयोग के रूप मान्यता दी गई है।नए कानून के तहत उपभोक्ता अदालतों के क्षेत्राधिकार में बदलाव किया गया है। राज्य और राष्ट्रीय उपभोक्ता अदालतों के मुकाबले जिला अदालतों तक पहुंच ज्यादा होती है। इसलिए अब जिला उपभोक्ता अदालतें 50 लाख रुपये तक के मामलों की सुनवाई कर सकेंगी।पहले जिला आयोग को एक करोड़ रुपये मूल्य के वादों की सुनवाई का अधिकार था,जो अब घटाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। अब उपभोक्ता अपनी शिकायत कही से भी दर्ज कर सकता है। पहले उपभोक्ता वहीं शिकायत दर्ज करा सकता था, जहां विक्रेता अपनी सेवाएं देता है या फिर उसकी कोई शाखा या कार्यालय जहां मौजूद है। ई-कॉमर्स अर्थात ऑन लाइन से बढ़ती खरीदारी को देखते हुए यह उपभोक्ताओं के हित मे यह एक अच्छा कदम है। इसके अलावा कानून में उपभोक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी सुनवाई में शिरकत करने की इजाजत दी गई है। इससे उपभोक्ता का पैसा और समय दोनों बच सकेंगे और उसे न्याय भी जल्दी मिल सकेगा। उपभोक्ता कानून के इतिहास का अवलोकन करें तो पता चलता है कि सन 1966 में जेआरडी टाटा के नेतृत्व में कुछ उद्योगपतियों द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के तहत फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन की मुंबई में स्थापना की गई थी और इसकी शाखाएं कुछ प्रमुख शहरों में स्थापित की गईं। भारत मे उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित करने के लिए उपभोक्ता आंदोलन का यह प्रथम प्रयास कहा जा सकता है।वही स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना बीएम जोशी द्वारा 1974 में पुणे में की गई।समय के साथ अनेक राज्यों में उपभोक्ता कल्याण हेतु संस्थाओं का गठन हुआ। इस प्रकार उपभोक्ता आन्दोलन देश मे आगे बढ़ता रहा और सन 24 दिसम्बर 1986 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर उपभोक्ता संरक्षण विधेयक संसद ने पारित किया और जो राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित होने के बाद देशभर में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के रूप में लागू हुआ। इस अधिनियम में बाद में सन 1993 ,सन 2002 व अब 2019 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन व्यापक संशोधनों के बाद यह एक सरल व सुगम अधिनियम हो गया है। इस अधिनियम के अधीन पारित उपभोक्ता अदालतों के आदेशों का पालन न किए जाने पर धारा 72 के अधीन कारावास व दण्ड का प्रावधान किया गया है। नए कानून में उत्पाद व विक्रेता कंपनी की जवाबदेही तय की गई है ।उत्पाद में निर्माण त्रुटि या खराब सेवाओं से अगर उपभोक्ता को नुकसान होता है तो उसे बनाने वाली कंपनी को हर्जाना देना होगा. यानि निर्माण त्रुटि में खराबी के कारण प्रेशर कुकर के फटने पर उपभोक्ता को चोट पहुंचती है तो उस हादसे के लिए कंपनी को हर्जाना देना होगा। पहले उपभोक्ता को केवल कुकर की लागत मिलती थी। उपभोक्ताओं को क्षति पूर्ति के लिए भी सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता था।जिससे मामले के निपटारे में सालों साल लग जाते थे।पहले कंपनियां अनैतिक तरीके से कोर्ट से तारीख पर तारीख ले लेती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उपभोक्ताओं को 90 दिन की समय सीमा में न्याय मिल जाना चाहिए।हालांकि इसमें प्राय: थोड़ा ज्यादा समय लग रहा है।पहले जहां से उपभोक्ता ने सामान खरीदा था, वहीं के उपभोक्ता फोरम में वाद दायर करना होता था। अब उपभोक्ता कहीं से भी सामान खरीदा हो, यदि उसमें खराबी है तो उसकी शिकायत घर या काम की जगह के आसपास के उपभोक्ता अदालत में कर सकता है। इस नये कानून का सबसे ज्यादा असर ई-कॉमर्स बिजनेस के क्षेत्र में होगा।अब इसके दायरे में सेवा प्रदाता भी आ जाएंगे. 'उत्पाद की जवाबदेही अब निर्माता के साथ सेवा प्रदाता और विक्रेताओं पर भी होगी. इसका अर्थ यह हुआ कि ई-कॉमर्स साइट खुद को एग्रीगेटर बताकर पल्ला नहीं झाड़ सकती हैं.'ई-कॉमर्स कंपनियों पर सीधे बिक्री पर लागू सभी कानून प्रभावी होंगे. अब अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसे व्यापारिक मंच को विक्रेताओं के ब्योरे का खुलासा करना होगा. इनमें उनका पता, वेबसाइट, ई-मेल इत्यादि शामिल करना जरूरी हैं.ई-कॉमर्स फर्मों की जिम्मेदारी होगी कि वे सुनिश्चित करें कि उनके स्तर पर किसी तरह के नकली उत्पादों की बिक्री न हो. अगर ऐसा होता है तो कंपनी पर दंड लग सकता है, क्योंकि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर नकली उत्पादों की बिक्री के मामलो की शिकायतें मिलती रही हैं। कानून में सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) नाम का केंद्रीय रेगुलेटर बनाने का प्रस्ताव है।यह उपभोक्ता के अधिकारों, अनुचित व्यापार व्यवहार, भ्रामक विज्ञापन और नकली उत्पादों की बिक्री से जुड़े मामलो को देखेगा और जरूरत पड़ने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही कर सकता है। उपभोक्तता संरक्षण अधिनियम 2019के पारित हो जाने के बाद कंपनियों पर इस बात की ज़िम्मेदारी अब और ज्यादा होगी कि उनके उत्पादों के विज्ञापन भ्रामक न हों और उनके उत्पाद दावों के अनुरुप ही हों।वही नई विधिक व्यवस्था में राज्य उपभोक्ता आयोग की आर्थिक शक्ति थोड़ा कम की गई है।पहले राज्य आयोग को 10 करोड़ रुपये मूल्य तक की उपभोक्ता शिकायत सुनने की शक्ति थी,जिसे घटाकर 2 करोड़ रुपये तक कर दिया गया है।

अब मंडराता जैविक युद्ध का खतरा

ज्ञानेन्द्र रावत

इसमें किंचित मात्र भी संदेह नहीं है कि मौजूदा समय में दुनिया में यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते यदि सबसे ज्यादा खतरा किसी को है तो वह है पर्यावरण को। इतिहास इसका जीवंत प्रमाण है। इसका मानव जीवन पर कितना दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इसकी संभावना से ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं और दिल दहलने लगता है। सबसे बड़ी चिंता का कारण तो यही है। उस हालत में, और जबकि धरती पहले ही से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते विनाश के कगार पर पहुंच चुकी है, यह खतरा और बढ़ जाता है। फिर युद्ध में परमाणु और जैविकीय हथियारों के उपयोग की आशंका से समूची दुनिया पर भयावह खतरा मंडरा रहा है। जाहिर है कि यदि ऐसा हुआ तो समूची दुनिया बहुत बड़े स्तर तक प्रभावित होगी और उसे भयंकर तबाही का सामना करना पड़ेगा। असलियत में युद्ध कहें या सशस्त्र संघर्ष कहें, उसमें समूचे पर्यावरण की प्रकृति ही खत्म हो जाती है। इसमें दो राय भी नहीं कि युद्ध का परिणाम दीर्घकालिक होता है। युद्ध के दौरान जहां बमों की बरसात होती है, वहां बमों के रसायनों से वहां की पारिस्थितिकी ही काफी बदल जाती है। उसका अहम कारण यह है कि बमों में प्रयुक्त रसायन हवा में घुलकर प्रतिकूल प्रभाव छोड़ते हैं। इससे प्रकृति प्रभावित होती है और वहां पर लम्बे समय तक खेती कर पाना संभव नहीं होता। गौरतलब यह है कि किसी भी इलाके में पर्यावरण संरक्षण की आशा तभी की जा सकती है जबकि वहां स्थायी रूप से शांति स्थापित हो। यह सुशासन की कीमत पर ही संभव है। प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा भी उसी दशा में हो सकती है। जहां तक जैविक हथियारों का सवाल है रूस, यूक्रेन पर आरोप लगा रहा है कि इस युद्ध में यूक्रेन जैविक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। रूस का दावा है कि यूक्रेन में अमेरिका के सहयोग से 26 जैविक अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं। वहां खतरनाक वायरस का भंडार है, जिनको अमेरिका युद्ध में इस्तेमाल कर सकता है। यही नहीं, अमेरिका के सहयोग से 30 देशों में 336 जैविकीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। अमेरिका भी यह मान चुका है कि यूक्रेन में जैविक हथियारों की प्रयोगशालाओं को पेंटागन आर्थिक सहायता दे रहा था और जैविक हथियार रूस पर खतरा बढ़ाने का एक जरिया है। अमेरिकी उप-विदेश मंत्री विक्टोरिया नूलैंड की स्वीकारोक्ति इस आरोप का जीता-जागता सबूत है। चीन ने भी अमेरिका पर यूक्रेन के जरिये जैविक हथियारों के इस्तेमाल का आरोप लगाया है और कहा है कि वह यूक्रेन में जैविक हथियारों का निर्माण कर रहा है। देखा जाये तो जैविक हथियारों का युद्ध में शत्रु देश या आतंकी गुटों द्वारा इस्तेमाल की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। इसका सबसे बड़ा कारण कम लागत में आसानी से उत्पादन और इसकी मारक क्षमता का सबसे ज्यादा घातक होना है। ये हथियार युद्धक अभिकारकों की घातकता को बहुत ज्यादा बढ़ा देते हैं। इनमें कई तरह के वायरस, फंगस और जहरीले पदार्थों का इस्तेमाल होता है। ये थोड़े समय में ही बहुत बड़ी तबाही मचाने के कारण बनते हैं। इससे लोग गंभीर बीमारियों के शिकार होकर मौत के मुंह में चले जाते हैं। यह शरीर को बहुत ही भयानक रूप से प्रभावित करते हैं। नतीजतन लोग विकलांग और मानसिक बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, जैविक हथियारों के इस्तेमाल का इतिहास काफी पुराना है। प्राचीन काल में युद्ध के दौरान दुश्मन के इलाकों के कुओं और तालाबों में जहर मिलाये जाने के उल्लेख मिलते हैं। ऐसे भी प्रमाण हैं कि छठी शताब्दी में मैसोपोटामिया के अस्सूर साम्राज्य के सैनिकों द्वारा दुश्मन के इलाकों के कुओं में जहरीले फंगस डाले जाने से बड़ी तादाद में सैनिकों की मौत हो गयी थी। तुर्की और मंगोल साम्राज्य में भी ऐसे उदाहरण मिलते हैं। मंगोलिया में 1347 ईस्वी में दुश्मन के इलाकों के तालाबों और कुओं में बीमार जानवर फेंके जाने का भी उल्लेख मिलता है, जिसकी वजह से प्लेग जैसी महामारी जिसे ब्लैक डैथ की संज्ञा दी गयी, से चार साल के भीतर लाखों लोगों की मौत हुई थी। पिछली सदी में पहले विश्व युद्ध में जर्मनी द्वारा एन्थ्रेक्स और ग्लैंडर्स बैक्टीरिया के इस्तेमाल, दूसरे विश्व युद्ध में जापान द्वारा चीन के खिलाफ, 2001 में अमेरिका में आतंकवादियों द्वारा अमेरिकी कांग्रेस में एन्थ्रेक्स संक्रमित चिट्ठी भेजे जाने से पांच लोगों की मौत इसके जीते-जागते सबूत हैं। चीन का ताजा उदाहरण सबके सामने है, जिस पर आरोप लगा कि उसने वुहान लैब से दुनिया में कोरोना वायरस फैलाया। इससे जहां सारी दुनिया में तबाही हुई

और लाखों लोग अनचाही मौत के मुंह में चले गये। सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था बिगड़ी सो अलग , जो अभी तक सुधर नहीं पायी है। ऐसा माना जाता है कि दुनिया में अमेरिका, जर्मनी, चीन और रूस सहित 17 देश जैविक हथियारों से सम्पन्न हैं। वह बात दीगर है कि वह इस सत्य को अस्वीकार करें और जैविक हथियारों के निर्माण की होड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जबकि 26 मार्च, 1975 को 22 देशों ने बायोलॉजिकल वैपन्स कन्वेंशन और जेनेवा प्रोटोकॉल के तहत जैविक हथियारों के निर्माण पर पाबंदी के समझौते पर सहमति दी थी और आज इसमें 183 देश शामिल हैं। अब जबकि यूक्रेन-रूस युद्ध को दो सप्ताह से अधिक हो चुके हैं और जिसके कई दौर की बातचीत के बावजूद जल्दी खत्म होने के आसार भी नहीं हैं। वह युद्ध जो अभी तक हवाई हमले, मिसाइल और टैंकों तक सीमित था, अब परमाणु और जैविकीय युद्ध की ओर बढ़ सकता है। इसकी आशंका दिन-ब-दिन और बलवती हो रही है।

आज के कार्टून

परोपकार

श्रीराम शर्मा आचार्य

मैंने प्यार दिया पर बदला मुझे क्या मिला?' ऐसे विचार करने में उतावली न कीजिए। बादलों को देखिए, सारे संसार पर जल बरसाते फिरते हैं, किसने उनके अहसान का बदला चुका दिया? बड़े-बड़े भूमि खंडों का सिंचन करके उनमें हरियाली उपजाने वाली नदियों के परिश्रम की कीमत कौन देता है? हम पृथ्वी की छाती पर जन्म भर लदे रहते हैं, और उसे मल-मूत्र से गंदी करते रहते हैं, किसने उसका मुआवजा अदा किया है। वृक्षों से फल, छाया, लकड़ी पाते हैं पर उन्हें क्या कीमत देते हैं? परोपकार स्वयं में बदला है। जब आप उपकार करने का अनुभव स्वयं करेंगे तो देखेंगे कि ईश्वरीय वरदान की तरह यह दिव्य गुण स्वयं ही कितना शांतिदायक है, हृदय को कितनी महानता प्रदान करता है। उपकारी जानता है, 'मेरे कार्यों से जितना लाभ दूसरों का होता है उससे कई गुना स्वयं मेरा होता है।' ज्ञानवान पुरु ष जो कमाते हैं, दूसरों को बांट देते हैं, सोचते हैं कि प्रकृति जब जीवन वस्तु मुफ्त दे रही है, तो अपनी फालतू चीजें दूसरों को देने में कंजूसी क्यों करें? बुरे दिनों और विपत्ति की घड़ियों में भी परोपकार के दिव्य गुण का परित्याग मत कीजिए। जब आप किसी को भौतिक पदार्थ देने में असमर्थ हों तो भी सद्भावनाएं-शुभकामनाएं देते रहिए। निःस्वार्थ भावना से जीवन व्यतीत करने वाले के लिए संसार में निरु त्साह, पश्चाताप और दुःख की कोई बात नहीं है। जरा सी बात के आवेश में लड़ने-मरने पर उतारू मत हूजिये वरन विरोधियों पर दया-प्रेम की वप्रा करते रहिए। सद्भावना से दिव्य-दृष्टि मिलती है। जिसके हृदय में समस्त प्राणियों के प्रति सद्भावना भरी है, यथार्थ में वही दिव्य ज्ञान का अधिकारी है। मनुष्यों में देवता वह है, जो पवित्र है, निःस्वार्थ, प्रेमी, त्याग भावी है। शारीरिक स्वाथरे का परित्याग करने के उपरांत जो संतोष प्राप्त होता है, वह चक्रवर्ती राजा हो जाने के सुख से भी हजारों गुना अधिक है। इसलिए स्वार्थ त्यागने का अभ्यास आरंभ कीजिए। ज्ञान द्वारा पाशविक कंजूस वृत्ति को काबू में लाने का प्रयत्न करिए। तुच्छ स्वाथरे के गुलाम बनने से इंकार कर दीजिए। नम्रता, भलमनसाहत, क्षमा, दया, प्रेम और त्याग भावना को धारण करने से हृदय में शात शांति का आविर्भाव होता है। स्वार्थरहित प्रेम के महान नियम में अपने को केंद्रस्थ करना मानो संतोष, शीतलता, विश्राम और ईश्वर को प्राप्त करने के मार्ग पर पदार्पण करना है।

सू-दोकू नवताल -2073

3			2		5			1
6								7
	1	5				6	9	
9				4			2	
		3	9		6	7		
	7			8				5
	8	1				2	5	
2								9
5			1		7			8

सू-दोकू 2072 का हल

1	8	5	3	2	7	4	9	6
2	9	7	5	6	4	3	8	1
6	3	4	9	8	1	2	7	5
5	4	1	6	9	3	8	2	7
3	2	6	1	7	8	5	4	9
8	7	9	2	4	5	6	1	3
9	5	3	8	1	2	7	6	4
4	1	8	7	3	6	9	5	2
7	6	2	4	5	9	1	3	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2073

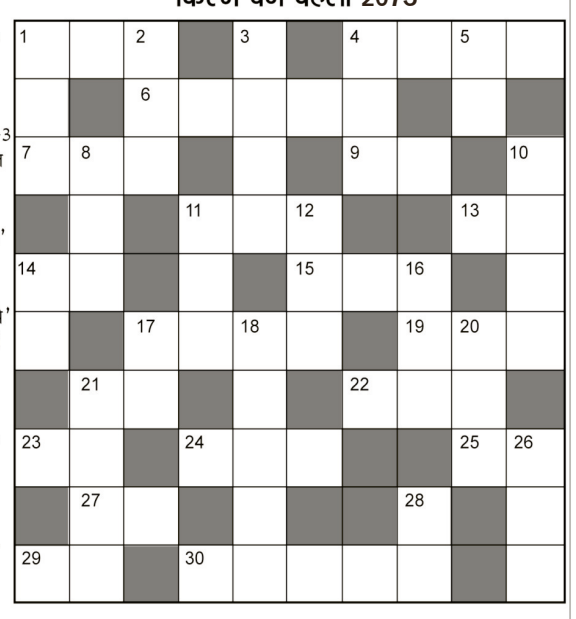

बायें से दायें:-

1. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-3
4. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-2,2
6. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-5
7. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
9. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
11. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
13. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
14. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-2
15. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-3
17. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-4
19. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-3
21. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
22. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-3
23. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
24. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-3
25. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-2
27. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
29. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-2
30. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-2,3

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-3
2. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-4
4. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-2
8. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-3
10. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-4
11. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-3
14. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-3
17. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-2
18. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-5
20. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की 1982 की एक फिल्म-3
21. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-2,2
26. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
28. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2072

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श		स	त्या		दें		र

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीओ निवेशकों के लिए 28 मार्च को खुलेगा

अगले सप्ताह आएगा उमा एक्सपोर्ट्स का आईपीओ

नई दिल्ली ।

एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (एलआईसी आईपीओ) को टालने की आशंकाओं के बीच उमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का आईपीओ लॉन्च होने जा रहा है। यह आईपीओ निवेशकों के लिए 28 मार्च को खुलेगा। आखिरी तारीख 30 मार्च है। इसका मतलब यह कि चालू वित्त वर्ष के आखिरी सप्ताह में कंपनी का आईपीओ बंद हो जाएगा। कंपनी 7 अप्रैल को लिस्ट होने की योजना बना रही है। उमा ने बाजार नियामक सेबी के पास सितंबर 2021 में ड्राफ्ट पेपर्स जमा कराए थे। उमा इस आईपीओ के जरिये करीब 60 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। इनमें से 50 करोड़ रुपए का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल की आवश्यकताओं को पूरा करने में होगा। मार्च 2021 तक वर्किंग कैपिटल सुविधाओं के लिए कुल स्वीकृत सीमा 85 करोड़ रुपए थी । कंपनी कृषि उत्पादों और चीनी, मसाले जैसे सूखी लाल मिर्च, हल्दी, धनिया, जीरा, चावल, गेहूं, मक्का, ज्वार और चाय, दाल के व्यापार और मार्केटिंग में लगी हुई है। मुख्य रूप से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और म्यांमार से कंपनी दाल, फैबा बीन्स, काली उड़द की दाल और अरहर की दाल का आयात करती है। श्रीलंका, यूएई, अफगानिस्तान को चीनी और बांग्लादेश को मक्का निर्यात करती है। उमा ऑस्ट्रेलिया में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से एक कार्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया में है। यह इसे सीधे अन्य वैश्विक स्थानों पर वस्तुओं को भेजने की अनुमति देगा। कंपनी ने अपने ड्राफ्ट पेपर में कहा कि इस कदम से कंपनी को माल ढुलाई और आयात शुल्क पर लागत बचाने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2021 में कंपनी की कुल आय 752.03 करोड़ रुपए रही थी, जो एक साल पहले 810.31 करोड़ रुपए थी। नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2021 में 12.18 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले साल 8.33 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 21.25 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले 19.75 करोड़ रुपए था। कंपनी का टोटल डेट इस दौरान 42.14 करोड़ रुपए रहा।

सौर उपकरण विनिर्माताओं को 30 प्रतिशत क्षमता पर करना पड़ रहा परिचालन

नई दिल्ली ।

सौर उपकरण विनिर्माताओं को अभी अपने संयंत्रों का परिचालन मात्र 30 प्रतिशत क्षमता पर करना पड़ रहा है, जिसकी वजह से उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। अखिल भारतीय सौर उद्योग संघ (एआईएसआईए) ने बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को अपनी स्थिति से अवगत कराया है। संघ का कहना है कि घरेलू विनिर्माताओं को अपनी पकड़ बनाने तथा स्थापित होने में मदद के लिए संरचनात्मक रक्षोपायों के साथ शुल्क अड़चनों को भी दूर करने की जरूरत है। इससे पहले इसी सप्ताह सिंह को लिखे पत्र में संघ ने कहा कि हम पिछले एक दशक से पुनरोद्धार की उम्मीद कर रहे हैं। कड़ी चुनौतियों के बीच आज हमारा टिके रहना मुश्किल हो गया है। एक मजबूत मेक इन इंडिया सौर विनिर्माण के बिना देश की ऊर्जा क्षेत्र की सुरक्षा पर आशंका मंडराती रहेगी। पत्र में कहा गया है कि घरेलू उपकरण विनिर्माताओं को स्थापित करने के लिए संरचनात्मक रक्षोपाय जरूरी है। विनिर्माताओं को कम से कम चार से पांच साल सीमा शुल्क, रक्षोपाय या सेफगार्ड शुल्क के मोर्चे पर मदद दी जानी चाहिए और उसके बाद इन्हें धीरे-धीरे वापस लिया जाना चाहिए। विनिर्माताओं ने कहा कि अप्रैल, 2021 से सौर उपकरणों का आयात मासिक आधार पर लगातार 800 मेगावॉट से ऊपर बना हुआ है। फरवरी, 2022 तक 11 माह में कुल आयात 16 गीगावॉट है। यह कुल 10 गीगावॉट की स्थापना से कहीं अधिक है। इससे स्पष्ट पता चलता है कि बड़ी मात्रा में भंडार जमा हो रहा है।

सितंबर, 2021 से फरवरी, 2022 तक छह माह के दौरान मॉड्यूल का आयात 11.93 गीगावॉट रहा। इससे पता चलता है कि डेवलपर्स और व्यापारी घरेलू विनिर्माण को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने ईरान तैयार

मुंबई ।

भारत में ईरान के राजदूत अली चेगेनी ने भारत को ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद की पेशकश करते हुए कहा कि उनका देश तेल और गैस के निर्यात के लिए रुपया-रियाल व्यापार फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। चेगेनी ने कहा कि अगर दोनों देश रुपया-रियाल व्यापार फिर से शुरू करते हैं, तो द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। ईरान, भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था, लेकिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाने के बाद नई दिल्ली को आयात रोकना पड़ा। एमवीआईआरडीसी विश्व व्यापार केंद्र द्वारा यहां जारी एक बयान में चेगेनी के हवाले से कहा गया कि ईरान तेल और गैस के निर्यात के लिए रुपया-रियाल व्यापार शुरू करके भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि रुपया-रियाल व्यापार तंत्र दोनों देशों की कंपनियों को एक दूसरे के साथ सीधे सौदा करने और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता लागत से बचने में मदद कर सकता है। गौरतलब है कि नई दिल्ली और तेहरान के बीच व्यापार निपटान के लिए एक विनिमय तंत्र था, जिसमें भारतीय तेल आयातक एक स्थानीय ईरानी बैंक को रुपए में भुगतान कर रहे थे और इस धन का उपयोग करते हुए तेहरान भारत से आयात कर रहा था।

आयकर विभाग में सुधार, अर्थव्यवस्था में तेजी से रिकॉर्ड कर संग्रहः सीबीडीटी

नई दिल्ली ।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जेबी मोहपात्रा ने कहा कि सरकार के आयकर विभाग में सुधार और घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के निणर्यों से रिकॉर्ड प्रत्यक्ष कर संग्रह हुआ है। उन्होंने कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था संबंधित आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि कंपनियों ने चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। मोहपात्रा ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह कहना बहुत मुश्किल होगा कि अगले साल स्थिति कैसी होंगी लेकिन यह कहने के लिए कोई जगह नहीं है कि अच्छा समय केवल चार तिमाहियों तक रहता है। उन्होंने बातचीत के दौरान रिकॉर्ड कर संग्रह के कारणों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। अर्थव्यवस्था जितनी अच्छी होगी, कर संग्रह उतना ही अच्छा होगा, जो अभी हो रहा है। उन्होंने कहा कि कर संग्रह पर प्रभाव डालने वाले विभागों में किए गए सुधारों से भी संग्रह बढ़ा है। मोहपात्रा ने कहा कि ऐसे कई नीतिगत उपाय हैं, जो बजट में या बजट के बाहर उठाये गए हैं और अब इन उपायों का प्रभाव या लाभ अब दिख रहा है। उन्होंने कहा कि कर संग्रह में वृद्धि का तीसरा कारण विभाग के भीतर सुधार की दिशा में पिछले चार वर्ष से उठाए जा रहे कदम हो सकते हैं।

महापात्र ने कहा कि चौथा कारण छोटा लेकिन महत्वपूर्ण है और यह आयकर विभाग में प्रौद्योगिकी शामिल करने से संबंधित है। उन्होंने बताया कि 13.63 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर संग्रह (16 मार्च को) में से केवल 54,000-55,000 करोड़ रुपए ही नियमित निर्धारण कर से आया है। सीबीडीटी चेयरमैन ने कहा कि शेष संग्रह स्वैच्छिक अनुपालन के माध्यम से आ रहा है और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि करदाता उन्हें मिल रही वित्तीय जानकारी से सशक्त हो रहे हैं। सीबीडीटी दरअसल आयकर विभाग के लिए नीति बनाता है।

इग्निस और एक्स-प्रेसो ड्यूलजेट इंजन के साथ होगी पेश

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी मारुति सुजुकी अपनी 2 छोटी यानी बजट कारों को ड्यूलजेट इंजन के साथ प्रस्तुत करेगी। कंपनी मारुति सुजुकी इग्निस और मारुति सुजुकी एक्स-प्रेसो को ड्यूलजेट इंजन के साथ बाजार में उतारेगी। ये दोनों कारें कंपनी की बजट कारें हैं जिनका भारतीय बाजार में अच्छा खासा कस्टमर बेस है। मारुति अपने सेलेरियो , स्वीफट, वैगनआर, बलेनो और डीजायर मॉडल्स में 1.2एल डूअलजेट के 12सी इंजन का इस्तेमाल करती है जो आइडल स्टार्ट-स्टॉप टेक्नॉलजी के साथ आते हैं। मारुति एस-प्रेसो में मौजूदा समय में 1.0 एल के10बी पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया जाता है जो 68 एचपी पावर जेनेरेट करता है और कंपनी इसे के10सी डूअलजेट से रिप्लेस करने वाली है। वहीं इग्निस में 1.2एल के12एन इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा। मौजूदा मॉडल में 1.2एलके12एम यूनिट का यूज किया जाता है जो 83बीएचपी पावर जेनेरेट करती है। इन दोनों कारों के इंजन में बदलाव जरूर देखने क मिलेगा लेकिन इन दोनों ही बजट कारों के लुक और डिजाइन लैंग्वेज में कोई परिवर्तन नहीं किया ।

सऊदी अरामको की कुछ हिस्सेदारी खरीद सकते हैं गौतम अडानी

ज्वॉइंट इंवेस्टमेंट और संभावित सहयोग को लेकर बातचीत का शुरुआती दौर

नई दिल्ली।

गौतम अडानी का अडानी ग्रुप सऊदी अरब की तेल कंपनी सऊदी अरामको के साथ एक बड़ी डील कर सकता है। खबरों के मुताबिक गौतम अडानी की कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी तेल निर्यातक सऊदी अरामको की कुछ हिस्सेदारी भी खरीद सकती है। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि गौतम अडानी की कंपनी सऊदी अरामको के साथ ज्वॉइंट इंवेस्टमेंट और संभावित सहयोग को लेकर शुरुआती बातचीत के दौर में है। अडानी समूह कंपनी में सऊदी अरब के पब्लिक इंवेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) की हिस्सेदारी खरीद सकता है। खबर के मुताबिक सऊदी अरामको की हिस्सेदारी खरीदने के लिए भले अडानी ग्रुप को अभी करोड़ों डॉलर खर्च करने होंगे। आने वाले समय ये डील संपत्तियों के हस्तांतरण में या अरामको या उसकी सब्सिडियरी साबिक जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी में बदल सकती है। ये साझेदारी रिन्यूएबल एनर्जी, क्रॉप न्यूट्रिएंट्स या केमिकल सेक्टर में हो सकती है। इतना ही नहीं इस डील में अडानी ग्रुप पीआईएफ को इंडिया के इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में निवेश करने के लिए कह सकती है। हालांकि अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि बातचीत काफी शुरुआती चरण में है। अरामको और पीआईएफ ने किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं की है। अडानी ग्रुप के साथ ये डील सऊदी अरामको को भारत जैसे दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एनर्जी कंज्यूमर्स से जोड़ सकती है। इस बारे में अडानी ग्रुप, सऊदी अरामको और पीआईएफ ने किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं की है। अडानी ग्रुप के साथ ये डील सऊदी अरामको को भारत जैसे दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एनर्जी कंज्यूमर्स से जोड़ सकती है। सऊदी अरामको ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ 15 अरब डॉलर के निवेश को लेकर करीब 2 साल तक बातचीत की। लेकिन पिछले साल नवंबर में ये बातचीत टूट गई।

संक्षिप्त समाचार

फ्यूचर समूह की कंप नियों की अप्रैल में होगी शेयरधारकों और लेनदारों की बैठक

नई दिल्ली । किशोर बियानी के नेतृत्व वाले फ्यूचर समूह की सूचीबद्ध कंपनियों ने शेयर बाजारों को बताया कि वे रिलायंस रिटेल के साथ 24,713 करोड़ रुपए के सौदे को मंजूरी देने के लिए अपने संबंधित शेयरधारकों और लेनदारों की बैठक 20 और 21 अप्रैल को बुलाएंगी। फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड, फ्यूचर रिटेल लिमिटेड, फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड और फ्यूचर सप्लाई चेन सहित समूह की सूचीबद्ध कंपनियों ने शेयरधारकों और लेनदारों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए होने वाली बैठकों की तारीखों और अन्य प्रक्रियाओं के बारे में शेयर बाजारों को बताया। इन कंपनियों ने बताया कि ये बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंस और अन्य ध्वनि-दृश्य माध्यमों के जरिए आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ द्वारा 28 फरवरी को पारित आदेश के मुताबिक शेयरधारकों की बैठक 20 अप्रैल 2022 को होगी और इसके अगले दिन 21 अप्रैल को लेनदारों की मंजूरी लेने के लिए बैठक होगी। एनसीएलटी ने इस सौदे का विरोध करने वाली ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की अर्जी को भी ठुकरा दिया था। अमेजन इस सौदे को लेकर लंबी कानूनी लड़ाई लड़ती रही है। रिलायंस के साथ अगस्त 2020 में हुए सौदे के तहत फ्यूचर समूह की 19 कंपनियों को एक साथ मिलाकर एक कंपनी बनाई जाएगी और फिर उसे रिलायंस रिटेल को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

एनएमडीसी ने रिकॉर्ड चार करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया

नई दिल्ली । सार्वजानिक क्षेत्र की खनन कंपनी एनएमडीसी ने चालू वित्त वर्ष में अब तक चार करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में 3.5 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। इस्पात मंत्रालय ने कहा कि एनएमडीसी ने एक वित्त वर्ष में चार करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली देश की पहली कंपनी बनने का इतिहास का रचा है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के ओ खिर तक उत्पादन का स्तर 4.2 करोड़ टन तक पहुंच जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि एनडीएमसी ने वर्ष 2030 तक दस करोड़ प्रति वर्ष उत्पादन करने वाली कंपनी बनने का लक्ष्य रखा है। मंत्रालय ने एक अलग बयान में बताया कि उसने ड्रोन का उपयोग करके खनिजों की खोज के लिए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी-खड़गपुर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस्पात मंत्रालय के अधीन आने वाली हैदराबाद स्थित एनएमडीसी देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी है।

फरवरी में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 248 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । निवेशकों का रुझान अन्य विकल्पों की तुलना में शेयरों की ओर बढ़ने से फरवरी में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों (ईटीएफ) से 248 करोड़ रुपए की निकासी देखने को मिली है। यह लगातार दूसरा महीना है जबकि गोल्ड ईटीएफ से निवेशकों ने निकासी की है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 452 करोड़ रुपए निकाले थे। इससे पहले दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश 313 करोड़ रुपये रहा था। निकासी के बावजूद इस श्रेणी में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) फरवरी के ओ खिर तक बढ़कर 18,727 करोड़ रुपए हो गईं, जो जनवरी के ओ खिर तक 17,839 करोड़ रुपए थीं। इस दौरान गोल्ड ईटीएफ में फोलियो की संख्या 3.09 लाख बढ़कर 37.74 लाख हो गई। एलएक्सएमई की संस्थापक प्रीति राठी गुप्ता ने कहा कि यह रुख दर्शाता है कि स्वर्ण संपत्तियों को निवेशकों द्वारा पोर्टफोलियो के विविधीकरण और बाजार उतार-चढ़ाव में हेजिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस समय निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से निकासी संभवतः आकर्षक रिटर्न की वजह से अपने पोर्टफोलियो को पुनः संतुलित करने के लिए की है। मॉर्निंगस्टार इंडिया की वरिष्ठ विश्लेषक-प्रबंधक शोध कविता कृष्णन ने कहा कि निवेशक सोने को हमेशा ऐसी संपत्ति के रूप में तरजीह देते हैं कहा कि निवेशक सोने को हमेशा ऐसी संपत्ति के रूप में तरजीह देते हैं जिसका इस्तेमाल जोखिम से बचाव और अपने निवेश के विविधीकरण के लिए किया जा सकता है।

तेल तिलहन बाजार साप्ता हिक समीक्षा बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में गिरावट की वजह से देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सीपीओ सहित लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशी कारोबार में मंदी का रुख था और आयातित तेलों के दाम आसमान छू रहे हैं। इनके मुकाबले देशी तेल सस्ते हैं। सोयाबीन डीगम और सीपीओ एवं पामोलीन के महंगा होने के साथ इन तेलों के लिवाल कम हैं। आयातित तेल महंगा होने के बाद इनकी जगह उपभोक्ता सरसों, मूंगफली, बिनौला की अधिक खपत कर रहे हैं। नई फसल की मंडियों में आवक भी बढ़ी है। इन तथ्यों के मद्देनजर विदेशों में गिरावट का असर स्थानीय तेल तिलहन कीमतों पर भी दिखा और समीक्षाधीन सप्ताहांत में तेल-तिलहनों के भाव नुकसान के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि संभवतः होली के कारण पिछले दो-तीन दिन से मंडियों में सरसों की आवक घटकर 6-6.5 लाख बोरी रह गई जो इससे कुछ दिन पहले ही लगभग 15-16 लाख बोरी के बीच हो रही थी। उन्होंने कहा कि सोमवार को मंडियों के खुलने के बाद आगे के रुख का पता लगेगा। जानकारी के मुतो बिक विदेशी बाजारों में मंदी और स्थानीय आवक बढ़ने के कारण अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 200 रुपए घटकर 7,500-7,550 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सरसों दादरी तेल 1,000 रुपए घटकर 15,300 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 100 रुपए और 75 रुपए के नुकसान के साथ क्रमशः 2,425-2,500 रुपए और 2,475-2,575 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में मंदी के बीच सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 350-350 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 7,425-7,475 रुपए और 7,125-7,225 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट आई। सोयाबीन दिल्ली, इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 650 रुपए, 810 रुपए और 720 रुपए की हानि के साथ 16,500 रुपये, 16,000 रुपए और 15,000 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली दाने का भाव 150 रुपए घटकर 6,700-6,795 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली सॉल्वेंट के भाव क्रमशः 420 रुपए और 65 रुपए घटकर क्रमशः 15,600 रुपए प्रति क्विंटल और 2,580-2,770 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 50 रुपए घटकर 14,600 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 900 रुपए की गिरावट के साथ 14,550 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कई कंपनियां लॉन्च करने वाली नई एसयूवी

नई दिल्ली । अब क्रेटा और सेल्टॉस एसयूवी को टक्कर देने के लिए मारुति सुजुकी और टोयोटा के साथ ही टाटा मोटर्स और महिंद्रा ऑटो जैसी कंपनी नई एसयूवी लॉन्च करने वाली है, जो बेहतर लुक और लेटेस्ट फीचर्स के साथ ही पावरफुल इंजन से लैस होगी। मारुति सुजुकी और टोयोटा के जॉइंट वेंचर में इस साल दो नई एसयूवी लॉन्च होने वाली है, जो कि मिडसाइड सेगमेंट की है। अब तक इसकी टोयोटा डी22 और मारुति वायएफजी जैसे कोडनाम से चर्चा होती है। हाल के दिनों में इसे टेस्टिंग के दौरान भी देखा गया है। ये दोनों ही एसयूवी काफी हद तक एक जैसी होंगी, जो कि टोयोटा ग्लांजा और टोयोटा अर्बन क्रूजर जैसी मारुति सुजुकी और टोयोटा की जॉइंट वेंचर में डिवेलप कारों की खासियत हैं। अब दोनों की कंपनियां अपनी नई मिडसाइज एसयूवी को टोयोटा के डीजीएनए प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा और इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा। मारुति और टोयोटा की इन एसयूवी को इस साल के आखिर तक लॉन्च किया जा सकता है। महिंद्रा इस साल अपनी नई मिडसाइज एसयूवी लॉन्च करने वाली है। कंपनी ने पिछले साल महिंद्रा एक्सयूवी500 को रिप्लेस कर महिंद्रा एक्सयूवी700 लॉन्च किया। अब कंपनी एक्सयूवी500 को अपडेट कर बेहतर लुक और फीचर्स के साथ पेश करने की तैयारी है। इसे एक्सयूवी300 और एक्सयूवी700 के बीच के सेगमेंट में पेश किया जाएगा। इसके साथ ही एक और देसी कंपनी टाटा मोटर्स आने वाले दिनों में अपनी नई मिडसाइज एसयूवी लॉन्च करेगी, जो कि 4.3 मीटर की होगी। फिलहाल टाटा हैरियर कंपनी की मिडसाइड एसयूवी है, लेकिन अपना पोर्टफोलियो और मजबूत करने के लिए नई मिडसाइज एसयूवी लॉन्च करेगी।

गुजरात में इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरियां बनाने 10,445 करोड़ निवेश करेगी सुजुकी

नई दिल्ली ।

जापान की वाहन कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमसी) 2026 तक गुजरात में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) तथा बीईवी बैटरियों के स्थानीय स्तर पर विनिर्माण के लिए 150 अरब येन (10,445 करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। कंपनी ने इस बारे में गुजरात सरकार के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन ने कहा कि इस करार पर नई दिल्ली में 19 मार्च, 2022 को आयोजित भारत-जापान आर्थिक मंच में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। मंच को संबोधित करते हुए एसएमसी के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि कारों के साथ कॉर्बन निरपेक्षता हासिल करने का है। हम आत्मनिर्भर भारत के लिए यहां लगातार निवेश जारी रखेंगे। सुजुकी का भविष्य का मिशन छोटी कारों के साथ कॉर्बन निरपेक्षता हासिल करने का है। हम आत्मनिर्भर भारत के लिए यहां लगातार निवेश जारी रखेंगे। एमओयू के तहत कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड 2026 तक एसएमसी के मौजूदा कारखाने के पास बीईवी बैटरियों के विनिर्माण संयंत्र पर 7,300 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके अलावा एसएमसी 2025 तक बीईवी विनिर्माण की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए भी 3,100 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। समूह की एक अन्य कंपनी मारुति सुजुकी तोयोत्सु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 2025 तक वाहन रिसाइक्लिंग संयंत्र के निर्माण पर 45 करोड़ रुपए का और निवेश करेगी।

इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में महिंद्रा मचाने वाली है हंगामा

नई दिल्ली । महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी इस साल इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में हंगामा मचाने वाली है। कंपनी की 3 इलेक्ट्रिक एसयूवी इस साल जुलाई में अनवील होने वाली है। महिंद्रा की अपकमिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी में महिंद्रा एक्सयूवी300 इलेक्ट्रिक के साथ ही महिंद्रा केयूवी100 इलेक्ट्रिक भी हो सकती है। हालांकि, इन दोनों एसयूवी के कॉन्सेप्ट मॉडल से साल 2022 के ऑटो एक्सपो में ही पर्दा उठ गया था। फिलहाल आपके लिए ये जानना जरूरी है कि महिंद्रा ने अपनी अपकमिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी के इंटीरियर को रिवील करते हुए नया टीजर वीडियो जारी किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा जारी टीजर वीडियो में कंपनी की अपकमिंग बॉर्न इलेक्ट्रिक एसयूवी के बारे में पता चलता है। महिंद्रा की अपकमिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी के कॉन्सेप्ट मॉडल में डुअल टोन रेड और ब्लैक कलर थीम दिखता है, जो कि काफी स्पोर्टी लगता है। इसके साथ ही महिंद्रा एक्सयूवी700 एसयूवी की तरह ही डुअल स्क्रीन सेटअप देखने को मिलेगा, जिसमें सेंटर में टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम के साथ ही ड्राइविंग सीट के ठीक सामने एक एचडी स्क्रीन लगी होगी। महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी का डिजाइन काफी फ्यूचरिस्टिक रखेगी और इसे यूके बेस्ड महिंद्रा अडवांस डिजाइन यूरोप में प्रताप बोस के नेतृत्व में डिजाइन किया गया है। फिलहाल जो संभावित खूबियों की जानकारी सामने आ रही है, वो ये हैं कि इन इलेक्ट्रिक एसयूवी में शानदार लुक के साथ ही ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, ट्रैफिक साइन रिकॉग्निशन, फ्रंट कोलाइजन वॉर्निंग के साथ ही अन्य जरूरी फीचर्स से लैस अडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम और कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी समेत अन्य खूबियां देखने को मिलेंगी।

रैना, जयसूर्या ओर पॉवेल सहित 16 खिलाड़ियों को मालदीव सरकार ने किया सम्सानित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना , श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या सहित विश्व के 16 खिलाड़ियों को मालदीव सरकार ने 'स्पोर्ट्स आइकन' पुरस्कार से सम्मानित किया है। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में जमैका के धावक असाफा पॉवेल के अलावा रियल मैड्रिड के पूर्व खिलाड़ी रॉबटर कार्लोस के अलावा नीदरलैंड के दिग्गज फुटबॉलर एडगर डेविड्स भी शामिल हैं। रैना को करियर में उनकी विभिन्न उपलब्धियों के लिए बांग्लादेश के युवा एवं खेल मंत्री मोहम्मद जहीर अहसान रसेल, सऊदी अरब के खेल उप मंत्री अल-कादीबद्र अब्दुल रहमान और मालदीव टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अहमद नजीर की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, खेल मंत्रियों, विश्व प्रसिद्ध एथलीटों और मालदीव के एथलीटों ने की थी। मालदीव के युवा, खेल एवं सामुदायिक अधिकारिता मंत्री अहमद महलूफ के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। महलूफ ने कहा कि वह इस पुरस्कार समारोह को एक सुसंगत, वार्षिक आयोजन बनाना चाहते हैं जिससे विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को सही प्रकार से श्रेय, समर्थन और मान्यता दी जा सके।

महिला विश्वकप :

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को एक विकेट से हराया

आकलैंड ।

इंग्लैंड ने यहां आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट के लीग चरण के रोमांचक मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड को एक विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मैडी ग्रीन के नाबाद 52 रनों ओर कप्तान सोफी डेविन के 41 रनों की सहायता से न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाये। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज केट क्रास ने 35 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं स्पिनर सोफी एक्सेलस्टोन ने 41 रन देकर तीन विकेट जिए जबकि स्पिनर चार्ली डीन ने 36 रन देकर दो विकेट लिए। इस प्रकार इंग्लैंड को जीत के लिए 204 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने नौ विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान हीथर नाइट ने 53 जबकि सोफी डंकले ने 33 रन बनाये , ऑलराउंडर नटाली स्किवर ने 61 रन बनाये।इसके बाद आन्या श्रबसोल ने 07 और चार्ली डीन शून्य ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया जिससे टीम ने टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से इंग्लैंड की टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनी हुई है। उसने पांचवें स्थान से न्यूजीलैंड को हटा दिया है। भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड सभी के चार अंक हैं। भारत और इंग्लैंड के दो मैच बचे हैं जबकि न्यूजीलैंड का सिर्फ एक मैच बाकी है। इस मैच में टॉस जीत कर इंग्लैंड ने पहले

गेंदबाजी का फैसला किया। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उसने 61 रन बनाये। सूजी बेटस ने 22 और सोफी डियाने ने 42 रन बनाये। इनके आउट होने के बाद अमेलिया केर ने 24 जबकि हालांकि डेविन को 15वें ओवर में पीठ में दर्द के बाद रिटायर होना पड़ा। इसके बाद एम सैटर्थवेट (24) और ग्रीन ने अच्छी बल्लेबाजी की। इंग्लैंड ने क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दो खिलाड़ियों को रन आउट कर दिया। सैटर्थवेट को डीन ने पगबाधा आउट किया और फिर क्रास और एक्सेलस्टोन ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर न्यूजीलैंड को समेट दिया। इंग्लैंड के गेंदबाजों का प्रदर्शन इस मैच में अच्छा रहा जिससे उसने कीवी बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज डैनी वाट 12 बनाकर ही आउट हो गयीं। टैमी ब्यूमोंट 25 रनों पर पेवेलियन लौट गयीं। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज डैनी वाट 12 बनाकर ही आउट हो गयीं। टैमी ब्यूमोंट 25 रनों पर पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद नाइट ने 53 गेंद में 42 रन बनाये लेकिन वह 23वें ओवर में फ्रैंकी मैके की गेंद पर पगबाधा आउट हो गईं। विकेटकीपर एमी जोंस भी एक रन बना पायीं। स्किवर ने फिर डंकले 33 के साथ मिलकर 70 रन की साझे दारी कर टीम को वापसी करायी।

मार्क वूड कोहनी में चोट की वजह से आईपीएल से बाहर, लखनऊ सुपर जायंट्स को झटका

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन से ठीक पहले एक और इंग्लिश खिलाड़ी लीग से बाहर हो गया। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मार्क वूड कोहनी में चोट की वजह से आईपीएल से बाहर हो गए हैं। लखनऊ के लिए मार्क का बाहर होना एक बड़ा झटका है। अपनी पेस और सीम के लिए पहचानने वाले मार्क वूड को लखनऊ सुपर जायंट्स ने फरवरी में हुए मेगा ऑक्शन में 7.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। मार्क मौजूदा समय में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा ले रहे थे। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में तेज गेंदबाज मार्क वूड सहित इंग्लैंड के 14 खिलाड़ी लेने वाले थे, लेकिन 3 खिलाड़ियों ने निजी कारणों से और चोट की वजह से अपना नाम वापस ले लिया है। दरअसल इंग्लैंड के ओपनिंग बल्लेबाज जेसन रॉय गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा थे, गुजरात ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। पाकिस्तान सुपर लीग के बाद उन्होंने अपने परिवार के साथ निजी वक्त बिताने के लिए लीग से नाम वापस ले लिया। गुजरात टाइटंस ने जेसन रॉय की जगह रहमानुल्लाह गुरबाज को अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं टी-20 और वनडे फॉर्मेट में जेसन रॉय के जोड़ीदार रहे एलेक्स हेल्स ने भी लंबे समय से बायो बबल में रहने की वजह से पाकिस्तान सुपर लीग में हिस्सा लेने के बाद ब्रेक लेने का फैसला किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने हेल्स को 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। हेल्स की जगह कोलकाता ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ऐरोन फिंच को टीम में शामिल किया है। इसके बाद तेज गेंदबाज मार्क वूड वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में चोटिल हो गए थे,वहां दूसरे टेस्ट में भी हिस्सा नहीं ले पाए, चोट की वजह से लखनऊ के लिए अपना लीग डेब्यू नहीं कर सकते हैं। मार्क वूड की जगह लखनऊ एंड्रयू टाय को अपनी टीम में शामिल कर सकती है, इन तीन खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद भी आगामी सीजन लियाम लिविंग्सटन जैसे स्टार टी-20 खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिलेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ब्रैथवेट ने बनाया रिकार्ड

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अपनी 160 रनों की शतकीय पारी से अपनी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। ब्रैथवेट ने 160 जबकि जर्मेन ब्लैकवुड ने 102 रनों की शतकीय पारी खेलकर वेस्टइंडीज को पहली पारी में 411 रनों तक पहुंचाया। इसी के साथ ही चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड की टीम ने बिना किसी नुकसान के 50 रन बना लिए थे। एलेक्स लीस 18 और जैक क्राउले 21 रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड ने पहली पारी में 507 रन बनाये थे। इस प्रकार उसके पा अब कुल बढ़त 136 रनों हो गई है। चौथे दिन के खेल में ब्रेथवेट ने 489 गेंदें खेलने के साथ ही एक अहम रिकॉर्ड बनाया। अब वह पूर्व कप्तान ब्रायन लारा के साल 2004 में 582 गेंद खेलने के रिकार्ड के बाद एक पारी में सबसे ज्यादा गेंद खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने कार्ल हूपर 402 गेंद , क्रिस गेल 396 गेंद और जिम्मी एडम्स 372 गेंद के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। ब्रेथवेट और ब्लैकवुड के अलावा वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज जोशुआ डि सिल्वा ने भी अच्छी पारी खेली। उन्होंने 112 गेंदों पर 33 रन बनाए। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैक लीच ने तीन जबकि साकिब महमूद और बेन स्टोक्स ने दो-दो और क्रिस वोक्स, फिशर और डेनियल लॉरेंस को एक-एक विकेट मिला।

महिला विश्व कपः न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका, दो खिलाड़ी हुई चोटिल

ऑकलैंड ।

महिला क्रिकेट विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड टीम की दो खिलाड़ियां चोटिल हो गई, जिस कारण टीम को मैच में हार का सामना करना पड़ा। कप्तान सोफी डिवाइन और गेंदबाज ली ताहुहू के घायल होने से टीम को दो बड़े झटके लगे। न्यूजीलैंड की फिल्डिंग के दौरान कप्तान डिवाइन चोट के बाद मैदान पर वापसी नहीं कर पाई, जिस कारण उप-कप्तान एमी सैटरथवेट ने टीम का नेतृत्व किया। इस बीच ताहुहू भी चोटिल होकर मैदान से बाहर चली गई। ईडन पार्क मैदान में 15वें ओवर की पहली गेंद पर दूसरे रन के लिए प्रयास करते समय डिवाइन को दर्द हुआ और अनुभवी बल्लेबाज को पता था कि कुछ गड़बड़ है। जिसके बाद उन्हें रिटायर हर्ट होने की सलाह दी गई। मुकाबले के लिए मौजूद दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मैदान में उतरने से पहले मेडिकल स्टाफ ने पिच के किनारे कप्तान की पीठ की चोट का इलाज किया। न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ जीत के लिए मुकाबले में एक बड़ा लक्ष्य खड़ा करना चाहता थी, जिसके लिए कप्तान अच्छी लय में दिख रही थी। उन्होंने रिटायर हर्ट होने से पहले 42 गेंदों में 37 रन बनाए थे। कप्तान ने चोट के इलाज के बाद 38वें ओवर में मैदान पर वापसी की, जब ली ताहुहू बिना खाता खोले पवेलियन की ओर लौट गयी थी और टीम का स्कोर 155/6 पर गिरा दिया था। कप्तान अपनी पारी को ज्यादा आगे ना बढ़ा सकी और 41 रनों पर चार्ली डीन की गेंद का शिकार हो गई। न्यूजीलैंड महिला टीम ने अपने ट्वीटर हैंडल पर लिखा, 'दूसरी ओर ताहुहू को गेंदबाजी के दौरान बाएं हाथ में खिचाव के कारण चोट लग गई थी। टीम फिजियो उनका इलाज कर रही है और उनकी मैदान पर लौटने की संभावना नहीं है।% ताहुहू ने टैमी ब्यूमोंट को 25 रन पर बल्ले और पैड के बीच से गेंद को निकालकर सीधे क्लीन बोल्ड कर दिया। इस

विकेट के साथ कुल 93 विकेट झटककर ताहुहू न्यूजीलैंड की सबसे कामयाब गेंदबाज बन गयी हैं, के साथ एमी वॉटकिंस के नाम था। इससे पहले यह रिकॉड '92 विकेटों के साथ एमी वॉटकिंस के नाम था। हालांकि 16वें ओवर में ताहुहू अपना ओवर पूरा नहीं कर सकीं और ब्रुक हॉलिडे ने उनका ओवर खत्म किया।

संक्षिप्त समाचार

लार पर प्रतिबंध से तेज गेंदबाजी प्रभावित नहीं हुई : कमिंस

लाहौर । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि कोरोना महामारी के बाद संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए गेंद पर लार लगाने को लेकर जो प्रतिबंध लगाया गया है उससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। इससे पहले कहा जा रहा था कि लार पर प्रतिबंध लगाने से तेज गेंदबाजों को काफी नुकसान होगा क्योंकि गेंद पर चमक आती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मई 2020 में कोविड-19 संक्रमण के कारण लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। वहीं क्रिकेट मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने हाल ही में लार के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया, जो इस साल अक्टूबर में लागू होगा। एमसीसी का तर्क है कि उसके शोध के अनुसार, लार लगाने से गेंद की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। वर्तमान में विश्व के शीर्ष तेज गेंदबाजों में शामिल कमिंस ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि लार पर प्रतिबंध से स्विंग गेंदबाजों का प्रदर्शन ज्यादा प्रभावित होगा। हम इसके विकल्प के तौर पर अभी पसीने का उपयोग कर सकते हैं इसलिए यह बहुत बड़ी बात नहीं है। एमसीसी ने कहा कि गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल को सही व्यवहार नहीं माना जाएगा।

माइकल वान, ह्यूज सहित दिग्गजों ने दी वार्न को अंतिम विदाई

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न को उनके साथी खिलाड़ियों ने एक समारोह में अंतिम विदायी दी है। इसमें कई पूर्व खिलाड़ी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में ग्लेन मेग्राथ, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान, मर्व ह्यूज, इयान हिली, मार्क वा जैसे खिलाड़ी शामिल हुए। वार्न का इस माह की शुरुआत में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार इस माह के अंत में 30 मार्च को होगा। वार्न के अंतिम दर्शनों के लिए हुए निजी कार्यक्रम में कुल मिलाकर 80 खिलाड़ी शामिल हुए। इसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बार्डर, मार्क टेलर, माइकल क्लार्क आदि शामिल थे। हालांकि 30 मार्च को उनके अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में आम लोगों को भी प्रवेश मिलेगा।

फ्रेंच फुटबॉल लीग मुकाबले से बाहर रहेंगे मेसी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी बीमार होने के कारण फ्रेंच फुटबॉल लीग मुकाबले में नहीं खेलेंगे। फ्रेंच फुटबॉल लीग के मुकाबले मोनाको में खेले जाएंगे। पिछले साल पीएसजी से जुड़े मेसी फ्रेंच लीग के पहले सत्र में संघर्ष करते नजर आये थे। मोनाको के मुकाबले से पहले मेसी ने सभी प्रतियोगिताओं में 26 मैचों में केवल सात गोल ही किए थे। वहीं पिछले सत्र में बार्सिलोना के साथ उन्होंने 38 गोल किए थे। मेसी के अलावा इस मुकाबले में पीएसजी की ओर से केलोर नवास, सर्जियो रामोस, एंजेल डि मारिया, जुआन बर्नाट, लेविन कुर्जावा और एंडर हेरेरा भी नहीं खेलेंगे।

एशिया कप 27 अगस्त से श्रीलंका में खेला जाएगा : एसीसी

कोलंबो । एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस टूर्नामेंट का 15वां संस्करण 27 अगस्त से 11 सितंबर तक श्रीलंका में खेला जाएगा। एसीसी ने कहा है कि इस साल यह टूर्नामेंट टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। भारतीय टीम एशिया कप के 14 वें सत्र में विजेता रही थी। ऐसे में वह इस बार भी खिताब बरकरार रखना चाहेगी। भारतीय टीम की ओर से पूर्व कप्तान विराट कोहली के अलावा वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा भी इस टूर्नामेंट में खासे सफल रहे हैं। एशिया कप में सबसे ज्यादा 1220 रन श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने बनाये हैं। उन्होंने 53 के औसत से 6 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। भारत की ओर से सबसे ज्यादा 971 रन सचिन तेंदुलकर ने बनाये हैं। उन्होंने 51 के औसत से 2 शतक ओर 7 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं विराट ने एशिया कप के 16 मैचों में 766 रन बनाए हैं जिसमें 3 शतक और दो अर्धशतक भी शामिल हैं। कोहली ने एशिया कप में अपने एकदिवसीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी 183 रन बनाम पाकिस्तान खेली थी। रोहित ने 42 के औसत से 883 रन बनाये हैं। इसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वहीं एशिया में सबसे ज्यादा 30 विकेट का रिकार्ड श्रीलंकाई दिग्गज मुथैय्या मुरलीधरन के नाम है। दूसरे स्थान पर भी श्रीलंका के ही लसिल मलिंगा हैं। मलिंगा के नाम 29 विकेट हैं।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे भारतीय बने लक्ष्य

बर्मिंघम ।

भारत के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। लक्ष्य ने सेमीफाइनल में मलेशिया के ली जि जिया को तकरीबन सवा घंटे तक चले मुकाबले में 21-13, 12-21, 21-19 से हराया। इस प्रकार वह ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले अब तक भारत की ओर से प्रकाश नाथ, प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद और साइना नेहवाल ने ही फाइनल में प्रवेश किया था। पादुकोण ने साल 1980 में और गोपीचंद ने 2001 में खिताब जीता था जबकि प्रकाश नाथ को 1947 में और महिला वर्ग में साइना नेहवाल को 2015 में हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैच जीता और फाइनल भी खेलने को मिलेगा।'' लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार बचाव करते हुए 11-7 से बढ़त बनायी।लक्ष्य ने गेम अंक बनाये और पहला गेम जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में ली ने वापसी की और मुकाबला निर्णायक स्तर तक ले गए। इसमें भी लक्ष्य की बढ़त बरकरार रही। लक्ष्य ने गेम अंक बनाये और पहला गेम जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में ली ने वापसी की और मुकाबला निर्णायक स्तर तक ले गए।

इसमें भी लक्ष्य की बढ़त बरकरार रही। जीत से उत्साहित लक्ष्य ने कहा, ''मैं घबराया था पर मैंने केवल मैच के बारे में ही सोचा। यह ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप सेमीफाइनल था और मन में कई विचार आ रहे थे पर मैंने अपना ध्यान खेल पर बनाये रखा।''

एफआईएच प्रो लीग हॉकी में भारतीय टीम को अर्जेंटीना ने 3-1 से हराया

भुवनेश्वर । एफआईएच प्रो हॉकी लीग में भारतीय टीम को मेहमान टीम अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। अर्जेंटीना ने भारतीय टीम को शूटआउट में 3-1 से हराया। इस मैच में तय समय तक स्कोर 2-2 से बराबर था पर शूटआउट में भारतीय टीम पिछड़ गयी। पहले क्वार्टर में भारतीय टीम हॉवी रही गुरजंत सिंह ने 38वें मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से निकोलस एकोस्टा ने 45 वें मिनट में गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। निकोलस कीनन ने 52वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 2-1 से बढ़त दिला। भारतीय टीम की ओर से मनदीप सिंह ने 60वें मिनट में गोल कर फिर स्कोर बराबरी पर ला दिया। तय समय तक दोनो ही टीमों के बराबरी पर रहने से मुकाबला पैनाल्टी शूटआउट में चला गया। यहां भारतीय खिलाड़ी नाकाम रहे। केवल हरमनप्रीत सिंह ही गोल कर सके जबकि अभिषेक, गुरजंत और सुखजीत सिंह गोल नहीं कर पाये। वहीं अर्जेंटीना की ओर से कीनन, टॉमस डोमेने और लुकास टोस्कानी ने गोल किये। इस जीत से अर्जेंटीना को एक बोनस अंक भी मिला है। इस प्रकार टीम पांच मैचों में 11 अंक लेकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, भारतीय टीम 7 मैचों में 13 अंक लेकर दूसरे स्थान पर बरकरार है।

आईपीएल 2022 : मैं यहां किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं आया हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के आलराउंडर क्रिकेटर हार्दिक पांड्या आगामी आईपीएल 2022 सीज़न में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे पांड्या ने कहा है कि वे कुछ साबित करने के लिए टूर्नामेंट में नहीं हैं। हमारा पूरा ध्यान टीम पर है जहां खिलाड़ियों के साथ ऐसा माहौल बना सके जहां खिलाड़ी एक दूसरे के साथ अच्छे से घुल-मिल सके। हार्दिक पांड्या ने कहा कि मैं बस अपने परिवार के साथ समय बिता रहा था।

हमेशा की तरह कड़ी मेहनत कर रहा था। मैं यह सुनिश्चित कर रहा हूं कि मैं अच्छी तैयारी करूं। मैं टीम से काफी खुश हूं और यह एक नई टीम है। ईमानदारी से कहूं तो हम यहां किसी को कुछ भी साबित करने के लिए नहीं आएं हैं। हम यहां अच्छा क्रिकेट खेलने के लिए आएं हैं। हम यहां यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता में विकसित होने के लिए वातावरण सही है। हार्दिक पांड्या पहली बार साल 2015 में पहली बार साल 2015 में आईपीएल में खेले थे। मुंबई इंडियंस की टीम ने पांड्या को खरीदा था हालांकि मेगा ऑक्शन में मुंबई ने पांड्या को रिटेन नहीं किया। गुजरात टाइटंस की टीम ने हार्दिक पांड्या को ड्राफ्ट के जरिए में अपनी टीम में शामिल किया और टीम का कप्तान भी बनाया। गुजरात टाइटंस की टीम अपना पहला मैच 28 मार्च को वानखेड़े के मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलेगी। दोनों ही टीमें पहली बार आईपीएल का हिस्सा बनी हैं। लखनऊ टीम की कप्तानी केएल राहुल कर रहे हैं।

आईपीएल से बाहर रहेंगे वुड

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड फिट नहीं होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में नहीं खेलेंगे। वुड से पहले ऑलराउंडर बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर, सैम कुरैन, जेसन रॉय, एलेक्स हेल्स जैसे खिलाड़ियों ने भी आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया था। इसके अलावा जॉनी बेयरस्टो, क्रिस वोक्स, दाविद मलान, लियाम लिविंगस्टोन भी इसमें नहीं खेल रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाड़ियों के आईपीएल से बहार होने का कारण एशेज सीरीज में मिली कारार हार को बताया जा रहा है। उस हार के बाद खिलाड़ियों पर आरोप लगे थे कि ट्वंटी-20 क्रिकेट अधिक खेलने के कारण वे टेस्ट खेलने में रुचि नहीं ले रहे। एक और कारण यह है कि खिलाड़ियों को केन्द्रीय अनुबंध के साथ ही काऊंटी और द हंडर्ड क्रिकेट से जो राशि मिलेगी वह आईपीएल से मिलने वाली रकम से कहीं अधिक है। अनुबंध के साथ ही काऊंटी और द हंडर्ड क्रिकेट से जो राशि मिलेगी वह आईपीएल से मिलने वाली रकम से कहीं अधिक है। एलेक्स हेल्स और जेसन राय जैसे खिलाड़ियो को आई पी एल नीलामी में डेढ़ करोड़ रुपए मिलेंगे। जबकि जेसन पहले से ही ई सी बी से मैच फीस, काऊंटी और द हंडर्ड की डील से 9.2 करोड़ रुपए ले रहे हैं। इसके अलावा फिटनेस बनाये रखने के लिए भी खिलाड़ी आईपीएल में नहीं खेलना चाह रहे जिससे वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने के दौरान तरोताजा रहें। आई.पी.एल. करीब दो महीने चलता है ऐसे में चोटों से बचने के लिए खिलाड़ी इसे छोड़ रहे हैं। इसके अलावा आईपीएल को इंग्लैंड के प्रशंसक अधिक पसंद नहीं करते जिससे भी खिलाड़ी प्रशंसकों की नाराजगी से डरे हुए हैं। इंग्लैंड में टेस्ट को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है पर आईपीएल के लंबे समय तक चलने के कारण खिलाड़ियों के लिए इसके बाद टेस्ट सीरीज खेलना कठिन होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हृदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिहि पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन जंग की तुलना ब्रेक्सिट से करने पर ब्रिटेन के पीएम जॉनसन हुए आलोचना के शिकार

लंदन ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की पर रूस की बढ़ती आक्रमकता को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन इसकी तुलना ब्रेक्सिट की तो उन्हें व्यापक आलोचना का शिकार होना पड़ा। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट ने रविवार को दी। शनिवार को ब्लैकपूल में कंजर्वेटिव पार्टी के सम्मेलन को संबोधित करते हुए जॉनसन ने कहा, ÷मैं जानता हूं कि यूक्रेन के लोगों की तरह इस देश के लोगों के पास भी विकल्प है कि वे हर बार आजादी का चुनाव करें। मैं आपको हाल के कुछ मशहूर उदाहरण दे सकता हूं।÷ जब ब्रिटिश लोगों ने इतनी बड़ी संख्या में ब्रेक्सिट के लिए मतदान किया तो मुझे विश्वास नहीं हुआ कि ऐसा इसलिए हुआ था क्योंकि वे विदेशियों के प्रति शत्रुतापूर्ण रुख रखते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे चीजों को अलग तरह से करने के लिए स्वतंत्रता चाहते हैं और इस देश के लिए खुद को चलाने में सक्षम होना चाहते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उनकी टिप्पणी ब्रिटेन और यूरोप में राजनीतिक हस्तियों के बीच अच्छी नहीं रही। गेविन बारवेल ने पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा मे के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया, उन्होंने कहा, उस बिट के अलावा जहां एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जनमत संग्रह में मतदान किसी भी तरह से अपने देश को आक्रमण से बचाने के लिए अपने जीवन को खतरे में डालने के साथ तुलनीय नहीं है और ये अजीब तथ्य यह है कि यूक्रेनियन यूरोपीय संघ में शामिल होने की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं। रक्षा चयन समिति के अध्यक्ष, कंजर्वेटिव सांसद टोबियास एलवुड ने कहा कि पुतिन के अत्याचार के खिलाफ यूक्रेनी लोगों की लड़ाई की तुलना ब्रेक्सिट के लिए मतदान करने वाले ब्रिटिश लोगों से करना उस राज्य के स्तर को नुकसान पहुंचाता है ।

सिलसिलेवार विस्फोटों से दहला सियालकोट मिलिट्री बेस, मिसाइल विस्फोट से

सियालकोट ।

पाकिस्तान के सियालकोट में रविवार दोपहर सिलसिलेवार धमाकों की गूंज सुनाई दी। सियालकोट स्थित पाक सेना के गोला-बारूद डिपो में ये ब्लास्ट हुए। पाकिस्तानी सेना के मीडिया एंड पीआर विंग आईएसपीआर ने जानकारी दी कि सियालकोट मिलिट्री बेस में अचानक आग लग गई, जिससे यह हादसा हो गया, हालांकि इस घटना में कोई नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तरी पाकिस्तान में सियालकोट मिलिट्री बेस पर कई विस्फोट हुए हैं। प्रारंभिक संकेत ये मिल रहे हैं कि यह एक गोला बारूद स्टोरेज एरिया है। धमाके के बाद एक बड़ी आग जलती हुई देखी गई। अभी तक विस्फोट के पीछे की असल वजह का पता नहीं चल पाया है। लोकल मीडिया के अनुसार पाक सेना द्वारा एयर-टू-एयर मिसाइल पीएल-15 का टेस्ट किया जा रहा था, जो पूरी तरह नाकाम रहा। जे10-सी फाइटर जेट से छोड़े जाने के बाद यह मिसाइल बेकाबू हो गई और सियालकोट में जा गिरी। इस घटना के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी नागरिकों की ओर से पोस्ट किए गए हैं। सियालकोट छावनी, सबसे पुराने और सबसे महत्वपूर्ण पाकिस्तानी सेना के ठिकानों में से एक, शहर से सटा हुआ इलाका है। इसकी स्थापना 1852 में ब्रिटिश भारतीय सेना द्वारा की गई थी। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान वर्तमान में अपनी सरकार बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दो विपक्षी दलों द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ देश की संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इमरान खान अपने ही सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर विद्रोह का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के कम से कम 100 सांसदों ने 8 मार्च को नेशनल असेंबली सचिवालय के समक्ष एक अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था।

अबू धाबी में अधिक से अधिक फिल्में शूट करें भारतीय निर्माता : हेंस फ्रैकिन

अबू धाबी ।

आबू धाबी सिनेमा आयोग (एडीएफसी) में फिल्म एवं टीवी आयुक्त हेंस फ्रैकिन ने कहा है कि विभिन्न संस्कृतियों के प्रति समझ विकसित करने का सबसे बढ़िया तरीका अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। उन्होंने भारतीय फिल्म निर्माताओं से इस शहर में अधिक से अधिक फिल्में बनाने का अनुरोध किया। आबू धाबी में पहले ही कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है, जिनमें प्रियदर्शन की मलयालम फिल्म ओरु मरुभूमिक्काधा, टाइगर जिंदा है और रेस-3 शामिल हैं। हॉलीवुड के माइकल बे की फिल्म 6 अंडरग्राउंड, टॉम क्रुज अभिनीत अगली फिल्म मिशनः इंपासिबल 7 और ऑस्कर के लिए नामित फिल्म ड्यून की शूटिंग का भी इस शहर से संबंध रहा है। आयुक्त ने कहा कि भारतीय फिल्म उद्योग के पास जैसा अनुभव है, वह आबू धाबी के फिल्म निर्माताओं के पास नहीं है। फ्रैकिन ने कहा हमें आपसे बहुत कुछ सीखना है। उन्होंने कहा अंतरराष्ट्रीय अनुभव विभिन्न संस्कृतियों की समझ को बढ़ाने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। एडीएफसी ने फीचर फिल्म, टीवी श्रृंखलाओं और विज्ञापनों के निर्माण पर 30 प्रतिशत नकद छूट दी है। पिछले साल सरकार ने संस्कृति और रचनात्मक उद्योग (सीसीआई) क्षेत्र को औपचारिक रूप दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने फिल्म उद्योग के अनुकूल माहौल विकसित करने के लिए 30 अरब एईडी (संयुक्त अरब अमीरात दिरहम) निवेश की घोषणा की है और 'बैकलॉट' इस दिशा में एक कदम है। दुबई में जारी एक्सपो-2020 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ है।

पाक के आतंकवाद रोधी विभाग ने अलकायदा, तालिबान के पांच आतंकियों को दबोचा

लाहौर ।

आतंकी संगठन अलकायदा और तालिबान से परेशान पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पंजाब प्रांत से अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टीनेंट (एक्यूआईएस) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार करके सरकारी इमारतों और सुरक्षा कर्मियों पर आतंकवादी हमलों को टालने का दावा किया है। पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने कहा कि आतंकवादियों के कब्जे से विस्फोटक सामग्री, हथगोले, डेटोनेटर भी बरामद किए गए हैं। विभाग ने एक बयान में कहा, 'एक्यूआईएस और टीटीपी के पांच आतंकवादियों को प्रांत के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया गया है, जहां वे कानून प्रवर्तन कर्मियों और सरकारी भवनों पर हमले की योजना बना रहे थे।' रावलपिंडी और नरोवाल शहरों से एक्यूआईएस के दो आतंकवादियों क्रमशः वकास जकीर और मुहम्मद रहमतुल्ला को गिरफ्तार किया गया है। एक्यूआईएस एक इस्लामी आतंकवादी संगठन है जिसका उद्देश्य इस्लामिक देश स्थापित करने के लिए पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की सरकारों से लड़ना है। विभाग ने कहा कि अन्य तीन आतंकवादियों- अमीरुल्ला मुजाहिद, आबिद-उर-रहमान और टीटीपी के मुहम्मद जहांगीर को क्रमशः पंजाब के सरगोधा, मुल्तान और खानेवाल जिलों से गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका में पुलिसकर्मी की अमानवीयता, छात्रा की गर्दन पर घुटने रखते दिखा

विस्कॉन्सिन । अमेरिकी पुलिस की अमानवीयता के किस्से अक्सर सामने आते रहते है अब यहां के विस्कॉन्सिन प्रांत के केनोशा में स्कूल के अधिकारियों ने एक वीडियो फुटेज जारी किया है, जिसमें एक पुलिस अधिकारी भोजनावकाश के समय छात्रों में हुई लड़ाई से 12 वर्षीय लड़की को दूर करने के लिए उसकी गर्दन पर अपना घुटना रखते हुए दिख रहा है। पुलिस अधिकारी उस वक्त ड्यूटी पर नहीं था। केनोशा यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने शुक्रवार को चार मार्च की लड़ाई का संशोधित फुटेज जारी किया, जिसमें केनोशा के अधिकारी शॉन ग्वेट्सचो लड़ाई में हस्तक्षेप करते और फिर लड़की के साथ हाथापाई करते हुए नजर आता है। ग्वेट्सचो स्कूल में एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता था। उसने लड़की का सिर नीचे जमीन की ओर झुका दिया और लगभग आधे मिनट तक उसकी गर्दन पर अपना घुटना रखा, इसके बाद वह छात्रा को हथकड़ी लगाकर कैफेटेरिया से बाहर ले गया। लड़की के पिता जेरेल पेरेज ने इस तरह की कार्रवाई के लिए ग्वेट्सचो के खिलाफ आपराधिक आरोप दायर करने की मांग की है। पिछले साल विस्कॉन्सिन के कानून प्रवर्तन अधिकारियों के लिए इस तरह के व्यवहार पर रोक लगा दी गयी थी।

दुनिया में बढ़ता कोरोना संक्रमण, डब्ल्यूएचओ ने गलत जानकारियों को लेकर जताई चिंता

जेनेवा ।

महामारी कोरोना एक बार कहर बरपा रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर फैल रही गलत जानकारियों पर चिंता जताई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि दुनिया भर में संक्रमण के मामले बढ़ने के कई कारण हैं और गलत जानकारी भी इनमें से एक है। हाल की में दक्षिण कोरिया और यूरोप के कई देशों में कोविड-19 के मरीजों की संख्या में इजाफा दर्ज किया गया है। डब्ल्यूएचओ की कोविड-19 तकनीकी प्रमुख मारिया वेन केरकोव ने कहा कि महामारी खत्म हो गई है, ओमिक्रॉन हल्का है और यह कोविड का आखिरी वेरिएंट है, जैसी कई गलत जानकारियां दुविधा पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके चलते वायरस को बढ़ने में मदद मिल रही है। इस दौरान उन्होंने टीकाकरण पर भी बात की और कहा कि वैक्सीन गंभीर बीमारी और मौत से बचाने में काफी असरदार है। उन्होंने कहा, बाहर हमारे पास भारी मात्रा में गलत जनकारी है। गलत जानकारी कि ओमिक्रॉन हल्का है। गलत जानकारी कि महामारी खत्म हो चुकी है। गलत जानकारी कि यह आखिरी वेरिएंट है, जिसका हमें सामना करना है। यह वास्तव में बहुत दुविधा पैदा कर रहा है। केरकोव ने कहा कि बीए.2 अब तक का सबसे तेजी से फैलने वाला वेरिएंट नजर आ रहा है। उन्होंने जानकारी दी, हमें आबादी के स्तर पर बीए.1 से तुलना में बीए.2 की गंभीरता में कोई बदलाव नजर नहीं आया। हालांकि, ज्यादा मामलों के साथ आप अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या में इजाफा देखेंगे और यह बढ़ी हुई मौतों में बदल जाता है। बीते सप्ताह की तुलना में विश्व स्तर पर संक्रमण के नए मामलों में 8 फीसदी इजाफा हुआ है। संगठन के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में हाल ज्यादा खराब नजर आ रहे हैं। यहां मरीजों की संख्या 25 फीसदी और मौतें 27 फीसदी बढ़ गई हैं। कई जानकार इस बात पर चिंता जता चुके हैं ।

संक्षिप्त समाचार

रूसी विदेश मंत्री लावरोव का दावा- अमेरिका कीव को रूस की शर्तें मानने की इजाजत नहीं देता

मॉस्को । रूस के हमले झेल रहा यूक्रेन बड़ी ही विषम परिस्थिति से गुजर रहा है। ऐसे में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया कि अमेरिका यूक्रेन को वार्ता में रूस द्वारा रखी गई शर्तों पर सहमत होने की अनुमति नहीं देता है। लावरोव ने कहा कि संवादों में सुधार हुआ है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का हाथ पकड़ सकता है। मंत्री ने आशा व्यक्त की कि यूक्रेन की तटस्थ स्थिति पर सुरक्षा गारंटी और एक व्यापक समझौते के साथ सैन्य अभियान खत्म हो जाएगा। यूक्रेन में रूसी विशेष अभियान पर टिप्पणी करते हुए लावरोव ने कहा कि ये घटनाएं उस पाठ्यक्रम की परिणति थीं, जिसे पश्चिम ने 1990 के दशक की शुरुआत से रूस के खिलाफ अपनाया था। लावरोव ने यह भी कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की का बयान कि वह नव-नाजियों का समर्थन नहीं करते हैं, उनके वास्तविक कार्यों के विपरीत हैं। लावरोव ने कहा, ÷मेरे लिए बड़े अफसोस और शर्म की बात है, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि जब वह यहूदी मूल के हैं तो वह नाजी कैसे हो सकते हैं, और वह यह ठीक उसी दिन कहते हैं, जब यूक्रेन रक्षा के नायकों के स्मारकों के संरक्षण पर समझौते से हट जाता है। महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध- सीआईएस के ढांचे के भीतर ऐसा समझौता मौजूद था। मंत्री ने कहा कि जब जेलेंस्की इस तरह के रुझानों को संरक्षण देता है, तो यूक्रेनी नेतृत्व की नीतियों को गंभीरता से लेना मुश्किल हो जाता है।

यूक्रेन पर पुतिन के तेवर तीखे, न्यूक्लियर वॉर ड्रिल के दिए आदेश

मॉस्को । यक्रेन पर रूस की आक्रामकता बढ़ती जा रही है। बढ़ते तनाव के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल का आदेश दिया है। ब्रिटेन की कई मीडिया रिपोर्टों के हवाले से यह दावा किया गया है। एक तरफ, जहां रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी तरफ इस वॉर में न्यूक्लियर बम के इस्तेमाल होने का खतरा बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि पुतिन परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल की रिपोर्ट ने क्रेमलिन के अधिकारियों को झकझोर दिया है। दरअसल, एक दिन पहले ही रूसी सैनिकों ने पश्चिमी यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन का हथियारों से भरा अंडरग्राउंड स्टेशन तबाह हो गया है। यूक्रेन ने भी दावा किया है कि रूसी हमले में अब तक 112 मामूमों की जान जा चुकी है। दावों के अनुसार, क्रेमलिन की सीनियर राजनीतिक हस्तियों को खुद पुतिन ने चेतावनी दी है कि वे न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल में भाग लेंगे। पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव पर अब रूस की सुरक्षा की बड़ी जिम्मेदारियां हैं। मेदवेदेव और संसद के दो सदनों के वक्ताओं (व्याचेस्लाव वोलोडिन और वेलेंटीना मतविएन्को) को परमाणु युद्ध के बारे में जानकारी दी गई है। पुतिन के परिवार के सदस्यों के बारे में बहुत कुछ नहीं पता है। रिपोर्टों में दावा किया गया कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होते ही पुतिन ने तत्काल अपने परिवार के अज्ञात सदस्यों को साइबेरिया भेज दिया। यहां अल्ताई पर्वत को हाई-टेक भूमिगत बंकर में बदल दिया गया है, जो पूरी तरह भूमिगत शहर है। ऐसा कहा जा रहा है कि पुतिन के परिवार के लोग इसी बंकर में रह रहे हैं।

मारियुपोल के भीतरी क्षेत्र में घुसे रूसी सैनिक, स्थानीय लोगों ने पश्चिमी देशों से मांगी और मदद

लवीव ।

रूसी सेना से चारों ओर से घिरे और युद्ध से सबसे अधिक प्रभावित यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल में रूस के सैनिक और भीतरी क्षेत्र तक प्रवेश कर गए हैं। मारियुपोल में भीषण लड़ाई के कारण एक प्रमुख इस्पात संयंत्र को बंद कर दिया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने पश्चिमी देशों से और अधिक मदद की गुहार लगाई है। मारियुपोल के पुलिस अधिकारी माइकल वर्शनिन ने पश्चिमी नेताओं को संबोधित एक वीडियो में आस पास सड़क पर बिखरे मलबे का दृश्य दिखाते हुए कहा बच्चे, बुजुर्ग मर रहे हैं। शहर को नष्ट कर दिया गया है और धरती से इसका नामो निशान मिटा दिया गया है। सैन्य अधिकारी ने बताया कि पिछले दिनों दक्षिणी शहर मायकोलाइव में हुए एक रॉकेट हमले को लेकर जानकारी भी सामने आनी शुरू हो गई है, जिसमें 40 नौसैनिक मारे गए थे। रूसी सेनाओं ने पहले ही मारियुपोल का संपर्क अजोव सागर से काट दिया है। यूक्रेन के गृहमंत्री के सलाहकार वादिम देनिसेंको ने कहा यूक्रेन और रूसी सेना ने मारियुपोल में अजोवस्टल लौह संयंत्र को लेकर लड़ाई लड़ी। देनिसेंको ने टेलीविजन पर कहा यूरोप में सबसे बड़े धातुकर्म संयंत्रों में से एक वास्तव में नष्ट हो रहा है। मारियुपोल नगर परिषद ने इसके कुछ समय बाद दावा किया कि रूसी सैनिकों ने शहर के हजारों निवासियों ज्यादातर महिलाओं और बच्चों को रूस में जबरन स्थानांतरित कर दिया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि लोगों को कहां ले जाया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी ऐरेस्टोविच ने कहा कि मारियुपोल की सहायता करने वाली नजदीकी सेना पहले से ही दुश्मन की भारी ताकत के विरुद्ध संघर्ष कर रही थी और वर्तमान में मारियुपोल का कोई सैन्य समाधान नहीं है। जेलेंस्की ने रविवार तड़के कहा कि मारियुपोल की घेराबंदी इतिहास में रूसी सैनिकों द्वारा किए गए युद्ध अपराध के रूप में दर्ज होगी। युद्ध में रूसी सैनिकों की मौत के आंकड़े में भिन्नता है ।

लेकिन एक अनुमान के मुताबिक इस युद्ध में रूस के हजारों सैनिक मारे गए हैं। 2008 में जॉर्जिया के साथ युद्ध के दौरान पांच दिनों की लड़ाई में रूस के 64 सैनिकों की जान गई थी। अफगानिस्तान में 10 वर्षों में लगभग 15,000 और चेचन्या में लड़ाई के वर्षों में 11,000 से अधिक रूसी सैनिक मारे गए। मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि जल मिसाइलों ने इवानो-फ्रैंकिवस्क के पश्चिमी क्षेत्र में यूक्रेन की मिसाइलों और विमान से दागे जाने वाले गोला-बारूद के एक भूमिगत गोदाम को नष्ट कर दिया।

पूर्व दिशा की ओर विस्तार नहीं करने का वायदा निभाए नाटो : चीन

बीजिंग । यूक्रेन से जंग के बीच रूस पर सख्त पाबंदियों से चीन भड़क गया है। उसने नाटो के विस्तार का मुखर विरोध किया है। नाटो ने वादा किया है कि वह पूर्व दिशा की ओर विस्तार नहीं करेगा। चीनी राजनयिक ने कहा कि नाटो को अपने वायदे पर कायम रहना चाहिए। चीन के उप विदेशमंत्री ली युचेंग ने शनिवार को दिए भाषण में यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई के जवाब में पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर सख्त पाबंदियों की आलोचना करते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध की जड़ में शीतयुद्ध की मानसिकता और दुनिया में एक ध्रुवीय शक्ति संतुलन कायम करने की राजनीति है। क्रेमलिन (रूसी सरकार का मुख्यालय) के रुख का समर्थन करते हुए चीनी राजनयिक ने कहा अगर नाटो का विस्तार और होगा तो यह मॉस्को के करीब पहुंच जाएगा जहां से मिसाइल पांच से सात मिनट में क्रेमलिन को निशाना बना सकती है। उन्होंने आगाह किया कि एक परमाणु संपन्न प्रमुख देश को हाशिए पर धकेलने का परिणाम कितना भयानक होगा इसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बार-बार दोहराए गए रुख का समर्थन करते हुए कहा कि नाटो को विघठित करना चाहिए था और वॉरसा संधि के साथ इतिहास में भेजना चाहिए था। चीनी राजनयिक ने कहा नाटो को विखंडित करने के बजाय विस्तार दिया जा रहा है। नाटो ने युगोस्लाविया, इराक, सीरिया और अफगानिस्तान देशों में सैन्य हस्तक्षेप किया। युचेंग ने कहा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से बातचीत में यूक्रेन के पक्षों को राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने और चल रहे संवाद और वार्ता को जारी रखने' का आह्वान किया।

अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति खतरनाक, क्वाड की वजह से एशिया में खड़ा हो सकता है बड़ा संकट : ली यूचेंग

बीजिंग ।

यूक्रेन और रूस में जारी जंग के बीच चीन के उप विदेश मंत्री ली यूचेंग ने अमेरिका की हिंद प्रशांत नीति को बेहद खतरनाक बताया है। उन्होंने कहा कि क्वॉड जैसे समूहों का निर्माण उसी तरह से खतरनाक है, जिस तरह यूरोप में नाटो का विस्तार। चीन के अगले विदेश मंत्री बनने की राह में सबसे आगे चल रहे ली यूचेंग ने कहा कि अमेरिकी नीति एशिया को नरक में ढकेल सकती है। ली यूचेंग का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब क्वॉड की जापान में बैठक होने वाली है और पीएम मोदी इसमें शामिल हो सकते हैं। ली यूचेंग ने कहा कि यूक्रेन संकट हमें एक आइना दिखाता है कि हम एशिया और प्रशांत क्षेत्र में हालात का आकलन करें। यह इलाका दो अलग-अलग तरह के विकले पों का सामना कर रहा है। वे या हमें एक खुला और समावेशी परिवार बनाना चाहिए जो सबके सहयोग पर आधारित हो या फिर हमें छोटे-छोटे ब्लॉक की तरफ बढ़ना चाहिए जो कोले ड वॉर की मानसिकता और समूहों के बीच संघर्ष पर आधारित है। चीनी विदेश उप मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब चीनी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि नाटो के विस्ते तार ने यूक्रेन संकट को बढ़ाया है। चीन की तरह से भारत ने भी यूक्रेन संकट को लेकर रूस के खिलाफ आए संयुक्ते त राष्ट्र के प्रस्ताव पर मतदान नहीं किया है। यही नहीं चीन ने अमेरिका और नाटो को वर्तमान संकट के लिए दोषी ठहराया है। चीन ने कहा कि रूस के वैध सुरक्षा चिंताओं को दूर किया जाना चाहिए। चीन और भारत के रुख में रूस को लेकर समानता भले हो लेकिन दोनों के बीच एक बड़ा अंतर है। चीन अब नाटो के यूरोप में उठाए गए कदमों को अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के एशिया में उठाए गए कदमों से जोड़ रहा है। भारत में चीन के राजदूत रह चुके ली चीन के अगले विदेश मंत्री बन सकते हैं और देश के विदेश नीति को निर्धारित करने में महते वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वर्तमान चीनी विदेश मंत्री वांग यी का कार्यकाल अगले साल मार्च में पूरा हो सकता है। उसी समय चीनी संसद नेशनल पीपुले स कांग्रेस एक नए प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों की नियुक्ति करेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप में नाटो के कदमों की तुलना एशिया से करके चीन ने चेतावनी दी है कि एशिया में भी इस तरह का संकट पैदा हो सकता है। ली ने कहा धारा के विपरीत जाकर हिंद-प्रशांत रणनीति का पालन उन्होंने कहा कि अगर इसे बिना रोकटोक के होने दिया गया तो इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे।

इजरायली पीएम नफ्ताली बेनेट दो अप्रैल से भारत के दौरे पर

यरुशलम । भारत के अनन्य सहयोगी देश इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने भारत-इजरायल संबंधों को परस्पर 'सराहना और सार्थक सहयोग' पर आधारित बताते हुए कहा कि वह दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर अप्रैल के पहले सप्ताह में भारत का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच नवाचार और प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और साइबर और कृषि एवं जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना है। इजरायल के प्रधानमंत्री के विदेश मीडिया सलाहकार ने एक बयान में कहा, 'प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर शनिवार, दो अप्रैल 2022 को भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे।' बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं की मुलाकात पिछले वर्ष अक्टूबर में ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) से इतर हुई थी, तब प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल के अपने समकक्ष बेनेट को भारत की आधिकारिक यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। यह यात्रा दोनों देशों और नेताओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध की पुष्टि करेगी तथा इजरायल और भारत के बीच संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर होगी। सूत्रों सूत्रों की माने तो यह दो से पांच अप्रैल तक चार दिवसीय दौरा होगा। मीडिया सलाहकार ने कहा, 'यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक गठबंधन को आगे बढ़ाना और मजबूत करना एवं द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करना है। इसके अलावा, दोनों नेता नवाचार, अर्थव्यवस्था, अनुसंधान एवं विकास, कृषि तथा अन्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।' बेनेट अपनी यात्रा के दौरान अपने भारतीय समकक्ष, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और स्थानीय यहूदी समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिजाब विवादः फैसला देने वाले 3 न्यायाधीशों को कर्नाटक सरकार ने दी वाई श्रेणी की सुरक्षा

बेंगलुरु ।

कर्नाटक हिजाब विवाद मामला कोर्ट के फैसले के बाद भी तूल पकड़ता नजर आ रहा है। दरअसल, फैसला सुनाने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को कर्नाटक सरकार ने सुरक्षा देने का फैसला किया था। खबर आई थी कि जजों को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है। पुलिस में एक वायरल वीडियो को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। 15 मार्च को कर्नाटक हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों में वर्दी को लेकर राज्य सरकार के आदेश को बरकरार रखा था। साथ ही कहा था कि इस्लाम में हिजाब अनिवार्य प्रथा नहीं है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा, हमने हिजाब पर फैसला सुनाने वाले तीनों जजों को वाई श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। मैंने डीजी और आईजी को विधानसौधा थाने में दर्ज शिकायत पर जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें कुछ लोगों ने न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी दी है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अवस्थी, जस्टिस कृष्णा दीक्षित और काजी एम जैबुन्निसा की तीन सदस्यीय बेंच ने हिजाब मामले में फैसला सुनाया था। देने पर तमिलनाडु में में तीन लोगों के खिलाम मामला दर्ज किया गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट के तीन जजों को धमकी देने पर तमिलनाडु में में तीन लोगों के खिलाम मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर तमिलनाडु तौहीद जमात (टीएनएमजे) के तीन पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि तौहीद जमात ने फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए कोरीपलायम इलाके में एक जनसभा आयोजित की थी, जिसमें कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की गई।

इसके कुछ समय बाद ही तीन पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाए गए थे कि आयोजकों ने उच्च न्यायालय के जजों को हत्या की धमकी दी है।

मणिपुर में सीएम पद को लेकर भाजपा में घमासान

आरएसएस के करीबी नेता बने तीसरा विकल्प

इंफाल ।

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के विस चुनावों में सबसे ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी अब एक और बड़ा फैसला लेने वाली है। दरअसल ये फैसला राज्य के अगले मुख्यमंत्री को लेकर होना है। ऐसे में बीजेपी के भीतर इस बात पर गहन चिंतन हो रहा होगा कि आखिर राज्य की कमान किसके हाथ में सौंपी जाए। पहले दो नामों पर खासतौर पर जिक्र हुआ, लेकिन अब सीएम पद की रेस में दिलचस्प मोड़ आता दिख रहा है। मणिपुर में मुख्यमंत्री पद के लिए आरएसएस द्वारा समर्थित तीसरा दावेदार सामने आया है। दरअसल आरएसएस समर्थित नेता युमनाम खेमचंद सिंह को बीजेपी नेतृत्व ने कल दिल्ली बुलाया था। साथ ही कार्यवाहक मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और शीर्ष पद के एक अन्य दावेदार बिस्वजीत सिंह को भी दिल्ली बुलाया गया। सूत्रों ने कहा कि आरएसएस समर्थित नेता बीरेन सिंह और विश्वजीत सिंह के बीच अंदरूनी कलह से बचने के लिए बीजेपी के पास तीसरे विकल्प के रूप में मौजूद है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और किरेन रिजिजू आज मणिपुर की राजधानी इंफाल जा रहे हैं, जहां वे पूर्वोत्तर राज्य में मुख्यमंत्री की घोषणा कर सकते हैं. मणिपुर में हाल के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने सरकार बनाई। मणिपुर में यह पार्टी का लगातार दूसरा कार्यकाल होगा। कल दिल्ली में बीजेपी नेतृत्व ने बीरेन सिंह और बिस्वजीत सिंह से मुलाकात की। दोनों आज इंफाल के लिए भी रवाना हुए हैं। दोनों केंद्रीय मंत्री, जो मणिपुर में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक हैं। सूत्रों ने कहा है कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने बीरेन सिंह और विश्वजीत सिंह दोनों को बड़े विस्तार से सुना है। हालांकि बीजेपी ने मणिपुर में औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा नहीं की, लेकिन पार्टी ने बीरेन सिंह के नेतृत्व में चुनाव लड़ा, जिन्होंने राज्य भर में प्रचार किया। अब बीजेपी किसे मौके देती है, ये फैसला भी जल्द ही होने वाला है।

यूपी के अमरोहा में होली पर गाना बजाने को लेकर दो गुटों में पथराव, छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में होली का गाना बजाने को लेकर दो गुटों में जमकर पत्थरबाजी हो गई जिसमें कई लोगों को चोट भी आई। पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों को खोज जारी है। यह घटना अमरोहा के छंगा दरवाजा क्षेत्र की है। इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल एक रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों से जानकारी मिली कि होली के एक दिन पहले शुक्रवार को कुछ लोग 'योगी फिर आयो रे' नामक गाना बजा रहे थे और बगल में ही मस्जिद है, जहां पर नवाज चल रही थी। ऐसा कहा जाता है कि कुछ लोगों ने नवाज होने तक गाने को रोकने की मांग की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच पत्थर चलने लगे और इसमें कई लोगों को चोट भी आई। पूरी घटना पर पुलिस ने कहा कि, ÷यह घटना शुक्रवार को हुई , जब होली के मौके पर मौज-मस्ती करने वाले मस्जिद के पास लाउडस्पीकरों पर गाना बजा रहे थे। नमाज अदा होने तक रुकने को कहा गया, जिससे विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव किया, जिसमें दो लोग घायल हो गए, जिनमें से एक का इलाज अभी भी अस्पताल मे जारी है। बता दें कि मोहल्ले में मिक्स आबादी रहती है और शुक्रवार को करीब 1:30 बजे विवाद शुरू हुआ था। शुक्रवार को जुमे की नमाज भी थी और इसी दौरान डीजे की आवाज को बंद करने को लेकर विवाद शुरू हुआ था।

चीनी विवि में पढ़ रहे चिकित्सा छात्रों ने भारत में कोर्स को मान्यता देने के लिए किया प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम । चीनी विश्वविद्यालयों में एमबीबीएस कर रहे कई भारतीय छात्रों ने भारत में अपनी फिजिकल ट्रेनिंग को मान्यता देने की मांग को लेकर केरल सचिवालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विदेशों में मेडिकल छात्रों के माता-पिता के संघ-विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स पेरेंट्स एसोसिएशन (एफएमजीपीए) के बैनर तले ये विरोध प्रदर्शन किया गया था। कोरोना महामारी के बाद ये छात्र भारत लौट आए थे, तब से वे चीन लौटने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने राज्य के सरकारी और निजी अस्पतालों में अपनी फिजिकल ट्रेनिंग को जारी रखा है। चीनी अधिकारियों से वीजा की अनुपलब्धता के कारण अपने देश में फंसे भारतीय छात्रों ने ऑनलाइन कक्षाओं की मदद से अपना पाठ्यक्रम पूरा किया है। यंग्ज़हौ विश्वविद्यालय में चौथे वर्ष के मेडिकल छात्र मुर्शिद अली ने बताया कि हमें जनवरी 2020 में चीन से वापस आने के लिए मजबूर किया गया था। हमें ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते हुए दो साल हो गए हैं। हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि भारत सरकार हमें ऑनलाइन कक्षाओं के साथ स्वीकार करेगी या नहीं। हम में से अधिकांश केरल के विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में प्रैक्टिकल कर रहे हैं, लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं है।

विधायक नंद किशोर गुर्जर का करीबी धनुष गिरफ्तार

गाजियाबाद ।

गाजियाबाद जिले की लोनी पुलिस ने सलाम होटल के मालिक से रंगदारी मांगने वाले एक लाख के इनामी बदमाश पवन उर्फ कल्लू की मदद करने के आरोप में भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर के करीबी धनुष गुर्जर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि धनुष फरार चल रहे बदमाश पवन के संपर्क में बना हुआ था। वहीं, होटल पर फायरिंग करने के लिए बदमाश पवन को हथियार मुहैया कराने वाले शख्स का भी पुलिस ने पता लगा लिया है, जिसकी जल्द गिरफ्तार हो सकती है। एसएचओ लोनी अजय कुमार ने बताया कि लोनी के सिरौली गांव के रहने वाले धनुष गुर्जर पर सलाम होटल के मालिक से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश पवन उर्फ कल्लू की मदद करने और लगातार उसके संपर्क में रहने का आरोप है। सूत्रों की मानें तो पुलिस फरार बदमाश पवन की तलाश में जुटी है। कई बार उसके ठिकानों पर दबिश देने के बाद भी वह पुलिस की गिरफ्त से दूर है। फिर पुलिस ने पवन के करीबियों की कुंडली खंगाली। जांच में पता चला कि लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर का करीबी धनुष गुर्जर बदमाश के संपर्क में है। वह उससे वॉट्सऐप कॉल के जरिये संपर्क साधता है। पुलिस से बचने में वह पवन की मदद भी कर रहा है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ तमाम सबूत जुटा कर उसे गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सूत्रों का कहना है कि गिरफ्तार धनुष गुर्जर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर का करीबी है। पिछले साल 27 अक्टूबर में सलाम होटल के मालिक से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मामला प्रकाश में आया था। जिनमें 25-25 हजार रुपये के इनामी दादरी गौतमबुद्धनगर निवासी अंकुर और पहाड़गंज दिल्ली निवासी अंश उर्फ हंसा व सोनिया ट्रोनिका सिटी निवासी सोनू शामिल हैं।

यूपीः भाजपा ने 30 एमएलसी उम्मीदवारों के नामों की सूची जारी की

लखनऊ ।

यूपी में भाजपा सरकार गठन से पहले पार्टी ने शनिवार को एमएलसी चुनावों के लिए 30 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने एमएलसी चुनाव के लिए अरुण कुमार यादव को भी टिकट दिया है, जिनके पिता रमाकांत यादव फूलपुर पवई से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक चुनकर आए हैं। अरुण 2017 के चुनाव में फूलपुर-पवई विधानसभा सीट से चुने गए थे। हालांकि, इस बार बीजेपी ने उन्हें उनके पिता के खिलाफ चुनाव मैदान नहीं उतारने का फैसला किया था। इसके अलावा, भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले सपा छोड़ने वाले चार एमएलसी को टिकट दिया है। इनमें बलिया से रविशंकर सिंह 'पप्पू', झांसी-जालौन-ललितपुर से रमा निरंजन, गोरखपुर-महाराजगंज से सीपी चंद और बुलंदशहर से नरेंद्र भाटी हैं। रविशंकर सिंह 'पप्पू' पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पौत्र हैं। भाजपा ने रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

दिनेश प्रताप सिंह दो बार कांग्रेस से एमएलसी रह चुके हैं। भाजपा ने युवा मोर्चा के अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी को इटावा-फर्रुखाबाद से मैदान में उतारा है। वह भाजपा के फर्रुखाबाद विधायक सुनील दत्त द्विवेदी के चचेरे भाई हैं। भाजपा ने 36 स्थानीय प्राधिकरणों में से 30 के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। एमएलसी चुनाव के लिए 21 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं।

चंद्रबाबू के कार्यकाल में आंध्र ने खरीदा था पेगासस, वाइएसआर कांग्रेस ने उठाई जांच की मांग

नई दिल्ली ।

जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस का मुद्दा अब केंद्र की सीमा से आगे बढ़ते हुए राज्य सरकारों तक जा पहुंचा है। इस मुद्दे पर आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और वाईएसआर कांग्रेस ने एक-दूसरे पर हमला बोला हैं। वाईएसआरसीपी ने आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जासूसी साफ्टवेयर पेगासस इजराइल की कंपनी से खरीदा था और उसकी मदद से कई विपक्षी नेताओं की जासूसी कराई थी। दरअसल पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया था कि चंद्रबाबू नायडू के कार्यकाल के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार ने यह स्पाईवेयर खरीदा था। नायडू साल 2014 से 2019 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। वाइएसआरसीपी के प्रवक्ता और विधायक गुडिवाड़ा अमरनाथ ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने अपने कार्यकाल के दौरान पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल किया था। उन्होंने इन आरोपों को लेकर केंद्र सरकार से जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि नायडू के सीएम रहते वाई एस आर कांग्रेस से जुड़े कॉल्स और डेटा के साथ भी छेड़छाड़ की गई थी। अमरनाथ ने कहा अगर चंद्रबाबू नायडू ने स्पाइवेयर खरीदा है, तो केंद्र और राज्य सरकारों को जांच करनी चाहिए कि क्या सॉफ्टवेयर राजनेताओं या उद्योगपतियों के लिए खरीदा गया था। हम इस मामले की पूरी जांच की मांग करते हैं। इस सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। लोगों की बातचीत को सुनना और उन पर नज़र रखना अक्षम्य अपराध है।

नेतृत्व संकट को लेकर कांग्रेस में घमासान जारी, असंतुष्ट खेमे जी-23 में भी असंतोष

नई दिल्ली ।

देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी संकट के दौर से गुजर रही है। शीर्ष नेतृत्व को लेकर चल रही माथा पच्चीसी और 5 राज्यों में हार के साथ पार्टी की अंदरूनी कलह भी बाहर आ रही है। हाल ही में कपिल सिब्बल ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा था कि अब परिवार को पीछे हट जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी से असंतुष्ट नेताओं का ग्रुप जी-23 भी लगातार सक्रिय है और बैठकें कर कर रहा है। लेकिन अब खबर आ रही है कि जी-23 ग्रुप के अन्दर भी कुछ नेताओं में असंतोष हैं। जी-23 ग्रुप का गठन अगस्त 2020 में हुआ था और यह ऐसे नेताओं का ग्रुप है जो कांग्रेस पार्टी में रहकर ही कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने की वकालत करते हैं। इन्हें कांग्रेस पार्टी के असंतुष्ट नेताओं के रूप में भी जाना जाता है। लेकिन हाल ही में गुलाम नबी आजाद के घर पर डिनर पार्टी में जी-23 के पुराने नेता नहीं पहुंचे और माना जा रहा है कि यह नेता अब जी-23 ग्रुप का हिस्सा नहीं हैं। वीरप्पा मोइली, मिलिंद देवड़ा, रेणुका चौधरी, मुकुल वासनिक, योगानंद शास्त्री, कौल सिंह ठाकुर, अरविंदर सिंह लवली और अजय सिंह वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के घर डिनर पार्टी में नहीं पहुंचे। 8 नेताओं के आजाद की डिनर पार्टी में ना पहुंचने के कारण माना जा रहा है कि ये नेता अब इस ग्रुप का हिस्सा नहीं है। बता दें कि जी-23 ग्रुप में जितिन प्रसाद भी शामिल थे लेकिन अब वो बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बुधवार रात आजाद के घर डिनर पार्टी हुई थी, जिसमें कांग्रेस के 18 असंतुष्ट नेता पहुंचे थे। करीब 5 घंटे तक इन नेताओं के बीच बैठक चली थी और उसके बाद असंतुष्ट नेताओं ने एक बयान जारी कर कहा था कि पार्टी समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर चले और 2024 में भाजपा को चुनौती देने के लिए एक मजबूत विकल्प तैयार हो। बता दें कि इसके बाद गुलाम नबी आजाद से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुलाकात की थी और यह मुलाकात करीब 1 घंटे तक चली थी। सोनिया गांधी से मुलाकात करने के बाद गुलाम नबी आजाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि, हमने कभी सोनिया गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाया ही नहीं है। हमारे कुछ सुझाव थे जो हमने उनसे साझा किए हैं। कपिल सिब्बल ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि गांधी परिवार को पीछे हटना चाहिए। सिब्बल ने राहुल गांधी पर भी सवाल उठाते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने किस हैसियत से चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया था, जबकि वह पार्टी के अध्यक्ष नहीं है। सिब्बल के बयान पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि जब वह (सिब्बल) यूपीए सरकार में मंत्री थे तब सभी चीजें अच्छी थी, अब सत्ता में नहीं हैं तब उन्हें बुरा लग रहा है।

यूनिकॉर्न ग्रुप पर छापेमारी में आयकर विभाग ने जब्त किया एक करोड़ कैश

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने 9 मार्च को पुणे और ठाणे स्थित यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप ग्रुप पर एक सर्च और सीज ऑपरेशन चलाया जो मुख्य रूप से कंस्ट्रक्शन मटैरियल का होलसेल और रिटेल का व्यापार करता है। इस ग्रुप का पूरे भारत में ऑपरेशन है इसका सालाना व्यापार करीब 6 हजार करोड़ रुपए का है। आयकर विभाग इस छापेमारी में कुल 23 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाने गई थी जोकि महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में है। सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ी मात्रा में इंक्रिमिनेटिंग सबूत मिले हैं जो की हार्ड कॉपी डॉक्यूमेंट और डिजिटल डेटा के स्वरूप में हैं। आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया की जो सबूत सर्च ऑपरेशन के दौरान मिले हैं उनसे यह पता चलता है की इस ग्रुप ने फर्जी खरीद की है बेहिसाब नकद खर्च किया है और यह सब राशी मिलाकर करीब 400 करोड़ रुपये हो रही है। इन सबूतों को इस ग्रुप के डिटेक्टर से कनफ्रंट कराया गया है जिसने इस समूह की पूरी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी है। इसके अलावा उसने 224 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय का खुलासा किया है। सर्च कार्रवाई से पता चलता है कि इस ग्रुप ने प्रीमियम शेयर जारी करके मॉरीशस के जरिए बड़ी मात्रा में विदेशी धन प्राप्त किया था। सर्च ऑपरेशन के दौरान आयकर विभाग को मुंबई और ठाणे स्थित कुछ शेल कंपनियों के हवाला नेटवर्क का भी पता चला। ये शेल कंपनियां कागज पर मौजूद हैं और केवल एंट्री करने के उद्देश्य से बनाई गई थी। हमें प्रारंभिक विश्लेषणों से पता चलता है कि इन शेल कंपनियों द्वारा प्रदान की गई हमें प्रारंभिक विश्लेषणों से पता चलता है कि इन शेल कंपनियों द्वारा प्रदान की गई इंट्री तकरीबन 1,500 करोड़ रुपयों की है। अब तक एक करोड़ रुपए जिसका कोई हिसाब नहीं था और 22 लाख रुपए कीमत की ज्वेलरी ये सब सामान जब्त किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आप पार्टी को मिल सकती हैं राज्यसभा की 5 सीटें

चंडीगढ़ । पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने बंपर जीत हासिल की और 117 में से 92 सीटें हासिल कर ली है। इसीलिए उन्हें राज्यसभा में 5 सीटें मिलने की पूरी संभावना है। राज्यसभा में जो उम्मीदवारों की सीटें खाली हुई हैं उनके नामांकन के लिए कल आखिरी दिन है लेकिन अभी तक आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। हो सकता है कि आज होने वाली वर्चुअल मीटिंग दौरान उम्मीदवारों की घोषणा की जाए। आम आदमी पार्टी में राघव चड्ढा, संदीप पाठक, क्रिकेटर हरभजन सिंह ये 3 नाम ऐसे हैं जिन्हें राज्यसभा में सीट मिलने की पूरी-पूरी संभावना है। इसके अलावा जगमोहन कंग भी राज्यसभा सीट के लिए दावा कर रहे हैं। आपको बता दें कि कंग पहले कांग्रेसी नेता थे लेकिन बाद में आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर ली। इन 4 लोगों के अलावा 5वीं सीट किस लीडर को जाती है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा लेकिन इतना तय है कि राज्यसभा में 5 सीटें आम आदमी पार्टी की ही झोली में आकर गिरेंगी।

असम में नदी में नहाते वक्त डूबने से दो व्यक्तियों की मौत

जोरहाट । असम के जोरहाट जिले में होली के दिन दो लोगों को नदी में नहाना भारी पड़ गया। भोगदोई नदी में शनिवार को दो व्यक्तियों की डूबकर मौत हो गई, जबकि एक लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वे तीन-सदस्यीय समूह का हिस्सा थे, जो होली खेलने के बाद नेमाटीघाट के पास नदी में नहाने गए थे। राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ) के जवान लापता व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं, जबकि दो लोगों की डूबकर मौत होने की आशंका है। एसडीआरएफ ने दो लोगों के शव बरामद कर लिए हैं।

यूपी में पेंशन योजना के लाभार्थियों की नए सिरे से जांच

आजमगढ़ । उत्तर प्रदेश सरकार वृद्धावस्था और निराश्रित महिला, विधवा तथा दिव्यांगजन पेंशन योजना के लाभार्थियों की नए सिरे से जांच करवा रही है। सभी लाभार्थियों के बैंक खातों को आधार से जोड़ा जा रहा है। भाजपा सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में अपने संकल्प पत्र के तहत इन लाभार्थियों को 1500 रुपये देने का ऐलान कर रखा है। इसे लागू करने से पहले सरकार इस सूची से अपात्रों को हटा कर पात्र लोगों को ही रखना चाहती है। प्रदेश में इस वक्त वृद्धावस्था पेंशन योजना के कुल 56 लाख लाभार्थी हैं और विधवा पेंशन योजना के 31 लाख लाभार्थी हैं। जबकि 11 लाख दिव्यागंजन हैं। बताते चलें पिछले साल 17 दिसम्बर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले समाज कल्याण विभाग में पंजीकृत वृद्धजनों की पेंशन राशि पांच सौ रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर एक हजार रुपये किये जाने और निराश्रित/विधवा महिलाओं की पेंशन राशि चार सौ रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर एक हजार किये जाने का निर्णय लिया था। कैबिनेट का यह निर्णय दिसम्बर 2021 से ही लागू हो गया था। वर्ष 2017 से पहले की समाजवादी सरकार के कार्यकाल में वृद्धावस्था और विधवा पेंशन योजना में तमाम लाभार्थियों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पेंशन दिये जाने के तमाम आरोप भी लगे थे मगर उसके बाद ऐसे फर्जी लाभार्थियों को सूची से हटाया नहीं जा सका था, मगर अब आधार से जोड़ दिये जाने के बाद ऐसे फर्जी लाभार्थियों की छंटनी हो जाएगी।

रेवाड़ी में रेलवे के गोदाम में 4 साल की बच्ची से दुष्कर्म

रेवाड़ी । हरियाणा के रेवाड़ी में शराब के नशे में धुत एक युवक द्वारा टॉफी का लालच देकर चार साल की एक बच्ची को रेलवे गोदाम में ले जाकर कथित तौर पर उससे बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बच्ची के परिजनों द्वारा शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और आरोपी को पकड़ कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना शनिवार सुबह हुई, जब पीड़िता अपने ढाई साल के भाई के साथ दुकान पर टॉफी खरीदने गई थी। पुलिस ने कहा कि बिहार के बेगूसराय का रहने वाला 19 वर्षीय भोला शराब के नशे में था और वह बच्ची को टॉफी दिलाने का लालच देकर बहला-फुसलाकर पास के एक रेलवे गोदाम में ले गया, जहां उसने बच्ची से बलात्कार किया। पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मॉडल टाउन थाने में आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एफआईआर दर्ज की है।

कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं : संजय राउत

नई दिल्ली । जब से कश्मीरी पंडितों के पलायन और उनके दर्द पर केंद्रित फिल्म द कश्मीर फाइल्स रिलीज हुई है, तब से पूरे देश में इसे लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ फिल्म का भारी समर्थन किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ इस फिल्म का भारी विरोध भी किया जा रहा है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया करते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कश्मीर को ऐसी किसी भी स्थिति से अलग रखा जाना चाहिए। संजय राउत ने कहा कश्मीर फाइल्स सिर्फ एक फिल्म है। मुझे नहीं लगता कि इससे किसी भी पार्टी को आने वाले चुनावों में किसी तरह का फायदा मिलेगा। संजय राउत ने कहा जब तक चुनाव आएंगे तब तक फिल्म भी चली जाएगी। उन्होंने कहा कि कश्मीर एक संवेदनशील मुद्दा है इसलिए इस पर राजनीति करना सही नहीं है। गौरतलब है कि फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर सभी दलों के नेता विवाद में कूद पड़े हैं। एक तरफ भाजपा इस फिल्म का आक्रामक प्रचार कर रही है तो दूसरी ओर अन्य दलों के अल्पसंख्यक नेता इस फिल्म का सीधा विरोध कर रहे हैं। सबसे पहले केरल कांग्रेस ने ट्वीट कर इस फिल्म के बारे में तथ्यों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था और कहा था कि यह फिल्म नफरत फैलाने वाली है। हालांकि बाद में ट्वीट को हटा लिया गया। दूसरी ओर पीएम नरेंद्र मोदी ने खुले मंच से इस फिल्म की तारीफ की और कहा इस तरह के सच को सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सच को छुपाने में यकीन रखते हैं। इसलिए इस तरह की फिल्म बनती रहनी चाहिए ताकि सच सामने आ सके। दूसरी ओर देश के कई अल्पसंख्यक नेता इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को लेकर आयोजित हुआ 91 वां आरटीआई वेबिनार

आवेदकों का तर्क की जानकारी के पीछे कारण बताना उचित नही, वहीं कोर्ट के आदेश की हुई समीक्षा और कहा कि कानून में ऐसा कोई प्रावधान नही, कोर्ट का हर आदेश विशिश्तिपूर्ण

National Breaking

रीवा मध्य प्रदेश

आरटीआई कानून को आमजन तक पहुंचाने के लिए लॉकडाउन के दरमियान प्रारंभ हुआ सूचना का अधिकार का राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार अपने 91 वें पड़ाव पर पहुंचा. इस बीच मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह के द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त अजय कुमार उप्रेती, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप एवं माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम में इस बात पर चर्चा हुई की क्या सूचना प्राप्ति के लिए लोक सूचना अधिकारियों को आवेदक के द्वारा कोई कारण बताया जाए? उपस्थित आवेदकों ने तो तर्क दिए कि आरटीआई कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि किसी भी सूचना की प्राप्ति के लिए कोई भी कारण नहीं बताया जाना चाहिए जबकि उपस्थित सूचना आयुक्तों और अन्य एक्सपर्ट ने बताया कि अभी हाल ही में श्रीमती प्रतिभा सिंह नामक जज का एक एक आदेश आया जिसमें यह कहा गया की निजी जानकारी के लिए कारण बताएं जाना आवश्यक है। इस बात पर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने कहा कि क्या हमें अब बोलने के लिए भी कारण बताना पड़ेगा? श्री गांधी ने कहा की सूचना चाहे व्यापक जनहित की हो अथवा किसी के अपने इंटरेस्ट की हो उसके लिए कारण बिल्कुल नहीं बताया जाना चाहिए जबकि उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट के इस सिद्धांत को लागू करेंगे तो आने वाले समय में हर किसी आरटीआई के जवाब के पीछे कोई कारण बताया जाना निर्धारित किया जाएगा और ऐसे में कोई भी जानकारी आवेदकों को नहीं दी जाएगी क्योंकि लोक सूचना अधिकारी तो बस मात्र इसी का बहाना बनाएंगे कि आप कारण बताइए तब जानकारी पाइए।

इस बीच उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त अजय कुमार उप्रेती ने कहा कि हालांकि कोर्ट के आदेश अपने स्थान पर होते हैं और किसी मामले विशेष पर आधारित होते हैं और यदि वह परिस्थितियां आरटीआई आवेदनों में लागू न हो तो यह आवश्यक नहीं की हर एक कोर्ट के आदेश को मानकर आंख मूंदकर उसी प्रकार से उसका निराकरण किया जाए। प्रकरण के अनुसार ही निर्णय दिए जाते हैं. उन्होंने इसी प्रकार अन्य तथ्यों का हवाला देते हुए मामले पर अपने विचार रखे और साथ ही विभिन्न राज्यों और खासतौर पर उत्तर प्रदेश से उनके मंडल से संबंधित आवेदकों के प्रश्नों का बखूबी जवाब दिया और कहा कि वह हमसे संपर्क कर सीधे अपने मामलों के विषय में अवगत करा सकते हैं और उनके मामलों का जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा।

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने कहा क्या हमें बोलने के लिए भी कारण बताना होगा?

Shivanand Dwivedi
सामाजिक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता
जिला रीवा मध्य प्रदेश

कार्यक्रम में विशेष तौर पर पधारे पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप और माहिती अधिकार मंच के संयोजक भास्कर प्रभु ने भी उपस्थित आवेदकों के जिज्ञासा और प्रश्नों के जवाब दिए। आत्मदीप ने बताया कि उनके पास एक ऐसा आरटीआई का मामला आया था जिसमें एक सरकारी कर्मचारी का पेमेंट रोक दिया गया था और जब कि आरटीआई कानून में किसी को मुआवजा दिलवाने अथवा पेमेंट दिलवाने का कोई प्रावधान नहीं है फिर भी मानवीय स्तर पर लकीर का फकीर न होते हुए उन्होंने उस मामले पर संज्ञान लेते हुए सरकारी कर्मचारी के 20 लाख रुपए की रुकी हुई पेमेंट भी दिलवाया था।

इसी प्रकार भास्कर प्रभु ने भी इन मुद्दों पर अपने विचार रखें और कहा कि आज धारा 4 के प्रावधान लागू न होने की वजह से इतने अधिक आरटीआई लग रहे हैं. धारा 4 बहुत महत्वपूर्ण है और इसका पालन यदि हो जाए तो आरटीआई लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया जबकि सहयोगियों में छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल, जबलपुर हाईकोर्ट से अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा और वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र सिंह सम्मिलित रहे।

देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी अपनी जिज्ञासा और प्रश्नों का जवाब पाया।